देश का Darpan News TV

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

FASTWAY

Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-5, अंक:178 | जयपुर, बुधवार, 10 सितम्बर 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को धोखाधड़ी के मामले में मुंबई पुलिस ने भेजा समन

एजेंसी

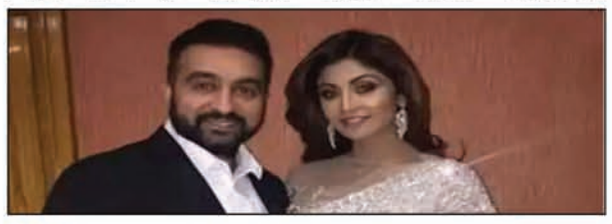

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने मंगलवार को समन जारी कर उनके खिलाफ दर्ज 60.48 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में 15 सितंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। मुंबई पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को समन जारी कर 10 सितंबर को पेश होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने समय सीमा बढ़ाने की मांग की, जो मंजूर कर ली गई। इससे पहले मुंबई पुलिस की ओर से शिल्पा और राज के खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था, जिसमें जांच से बचने के लिए उनके देश छोड़कर जाने की आशंका के चलते उनकी भारत से बाहर यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के ऑडिटर को भी समन जारी किया गया है, जिनसे वित्तीय लेन-देन का पता लगाने में जांचकर्ताओं की सहायता करने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को प्रारंभिक जांच के दौरान पहले तीन बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे लंदन में रहने का हवाला देते हुए उपस्थित नहीं हुए। इसके बजाय उन्होंने अपने कानूनी प्रतिनिधि को भेजा, लेकिन ईओडब्ल्यू ने दी गई जानकारी को अपर्याप्त पाया, जिसके कारण एक औपचारिक

प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई। यह मामला मूल रूप से 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन में लोटस कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज के 60 वर्षीय निदेशक दीपक कोठारी की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था। कोठारी ने आरोप लगाया कि बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े एक ऋण-सह-निवेश सौदे में 2015 और 2023 के बीच उनके साथ 60.48 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। एफआईआर के अनुसार, कोठारी का परिचय इस जोड़े से 2015 में एक मध्यस्थ राजेश आर्य के माध्यम से हुआ था, जिसने उनके साथ घनिष्ठ संबंध होने का दावा किया था। आर्य ने बेस्ट डील टीवी के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 75 करोड़ रुपये का भारी-भरकम ऋण लेने के लिए कोठारी से संपर्क किया था। बेस्ट डील टीवी उस समय जीवनशैली, फैशन, स्वास्थ्य और सौंदर्य उत्पादों पर केंद्रित एक ऑनलाइन शॉपिंग और घरेलू खुदरा मंच के रूप में संचालित होता था। बाद में, कथित तौर पर इस व्यवस्था को ऋण से निवेश में बदल दिया गया ताकि उच्च कराधान से बचा जा सके और कोठारी को मासिक रिटर्न और मूल राशि के पुनर्भुगतान का वादा किया जा सके। विवादित राशि 10 करोड़ रुपये से अधिक थी, इसलिए जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दी गई। प्रारंभिक जांच के बाद, आर्थिक अपराध शाखा ने शेट्टी, कुंद्रा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 403 (बेईमानी से संपत्ति की हेराफेरी), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा इरादे) के तहत मामला दर्ज किया।

'सरकार पीड़ितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है', हिमाचल और पंजाब के लिए रवाना होने से पहले बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। वे सुबह आपदा प्रभावित क्षेत्रों की जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश और पंजाब के दौरे पर रवाना हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति

की समीक्षा करने के लिए हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना हो रहा हूं। सरकार इस कठिन घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।' प्रधानमंत्री मानसून के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद दोनों उत्तरी राज्यों में व्यापक तबाही मचाने के बाद चल रहे आपदा प्रतिक्रिया और पुनर्वास उपायों की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री भवगंत मान ने प्रधानमंत्री से पंजाब दौरे पर बाढ़ पीड़ितों के लिए बेहतर पैकेज की जताई उम्मीद

चंडीगढ़। स्वास्थ्य कारणों के चलते अस्पताल में उपचाराधीन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार की शाम पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। वह यहां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के पंजाब आने से पहले सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के कई मंत्री पत्रकार वार्ता के माध्यम से अपने-अपने विभागों में हुए नुकसान का ब्यौरा सार्वजनिक कर चुके हैं और पंजाब सरकार ने केंद्र से 20 हजार करोड़ के फौरी पैकेज की मांग की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि

मेरी तबीयत ठीक नहीं है, वरना मैं स्वयं आकर प्रधानमंत्री का सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा करवाता। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री पंजाब और पंजाबियों को इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए कोई अच्छा पैकेज या घोषणा करके जाएंगे।

जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल चाय बागान मजदूर की मौत

नीलगिरी। गुडालूर के पास जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल चाय बागान मजदूर की मंगलवार को मौत हो गई।इसी हमले में घायल दूसरे मजदूर की हालत गंभीर है जिसे ऊटी के सरकारी मेडिकल अस्पताल में रेफर किया गया है। नीलगिरी जिले के गुडलूर के पास ओवेली और उसके आसपास जंगली हाथियों की आवाजाही दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। खासकर, जंगल से भागकर आए जंगली हाथी न केवल घरों को नुकसान पहुँचा रहे हैं, बल्कि

इंसानों पर भी हमला कर रहे हैं। ऐसे में, बारवुड इलाके के दो लोग, शम्सुद्दीन (उम्र 55) और सेलादुरई (उम्र 48), आज सुबह चाय बागान में काम करने गए थे। उसी समय, जंगल से निकल कर चाय बागान में मौजूद एक जंगली हाथी ने शम्सुद्दीन और उसके साथी पर हमला कर दिया।हमले में गंभीर रूप से घायल शम्सुद्दीन की मौत हो गई। हमले में घायल सेलादुरई को शुरू में गुडलूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आगे के इलाज के लिए ऊटी के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जंगली हाथी के हमले में मारे गए शम्सुद्दीन के शव को पोस्टमॉओर्टम के लिए गुडलूर सरकारी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तो इलाके के लोगों ने अस्पताल परिसर को घेर लिया और जमकर हंगामा किया। जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत से इलाके में गहरा शोक है।

उपराष्ट्रपति चुनाव : सोनिया-राहुल, राजनाथ और देवेगौड़ा समेत कई दिग्गज नेताओं ने डाला वोट

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान जारी है। इस बीच, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद भवन पहुंचकर अपना वोट डाला। इसके अलावा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया। उपराष्ट्रपति पद के लिए संसद भवन में मतदान की प्रक्रिया सुबह 10 बजे से जारी है। इस चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद और मंत्री हिस्सा लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, भाजपा सांसद कंगना रनौत और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसद भवन पहुंचकर अपना वोट डाला। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए चल रही

वोटिंग के बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के कांग्रेस सांसदों के साथ एक बैठक की, जिसमें उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान को लेकर निर्देश दिए।

इससे पहले, इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने अपनी जीत का भरोसा जताते हुए क्रॉस वोटिंग की अटकलों को खारिज किया था। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम इस चुनाव में जीतने जा रहे हैं। मैं केवल लोगों की अंतरात्मा को जगाने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने यह नहीं कहा कि क्रॉस-वोटिंग होगी। मुझे नहीं पता कि क्रॉस-वोटिंग क्या होती है।

इसके अलावा, एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव पर कहा, यह भारतीय राष्ट्रवाद की बड़ी जीत होने वाली है। हम सब एक हैं और एक रहेंगे। हम चाहते हैं कि विकसित भारत बने। यह जीत उस दिशा में ले जाएगी। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान नए संसद भवन में शाम 5 बजे तक चलेगा। इसके बाद मतगणना शाम 6 बजे शुरू होगी और परिणाम देर शाम तक आने की उम्मीद है। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए प्रत्याशी और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी, पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला है।

वाराणसी में गंगा का उफान, नमो घाट भी बाढ़ की चपेट में, प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा नदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। लगातार हो रही पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इसका सबसे ज्यादा असर वाराणसी में देखा जा रहा है, जहां गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु (70.26 मीटर) को पार कर चुका है और खतरे के निशान (71.26 मीटर) के करीब पहुंच गया है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 70.98 मीटर दर्ज किया गया, जो प्रतिघंटे लगभग 1 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 24 घंटों में यह और ऊपर चढ़ सकता है। शहर के कुल 85 घाटों में से अधिकांश पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। अस्सी घाट से लेकर दशाश्वमेध, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट तक सभी पर गंगा का पानी है। घाटों के बीच का संपर्क पूरी तरह टूट चुका है, जिससे एक घाट से दूसरे पर जाना असंभव हो गया है। घाट पर 'नमस्कार' आकृति वाली विशाल प्रतिमा भी डूब चुकी है। घाट का प्लेटफॉर्म, सीढ़ियां और आसपास के क्षेत्र सब पानी में समा गए हैं। नमो घाट पर नीचे जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। यहां सेल्फी पॉइंट और अन्य सुविधाएं बंद हैं। बाढ़ का असर केवल घाटों तक सीमित नहीं है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से वरूणा नदी में भी पलट प्रवाह हो गया है, जिसके कारण शहर के निचले इलाकों नगवा, संगमपुरी कॉलोनी और बस्ती में पानी घुस आया है। करीब 24 मोहल्ले और 44 गांव प्रभावित हो चुके हैं। हजारों लोग अपने घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं। बीएचयू के पास नगवा नाले से पानी भरने से रामेश्वर मठ और आसपास के इलाके जलमग्न हो गए। गंगोत्री विहार कॉलोनी में 12 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कुल 1,410 परिवार विस्थापित हो चुके हैं और 6,376 लोग प्रभावित हैं। फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है, 6,244 किसानों की 1,721 एकड़ जमीन डूब चुकी है।

खरगे ने उप राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के साझा उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी की जीत का दावा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आज संसद भवन में उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान करने के बाद विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एकजुट होकर लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। खरगे ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि विपक्षी दलों के उप राष्ट्रपति उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के जीतने की पूरी संभावना है। सभी विपक्षी पार्टियां इसके लिए एकजुट होकर कोशिश कर रही हैं। आज संसद भवन में चल रहे उप राष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी से है। मतदान सुबह 10 बजे नए संसद भवन में शुरू हुआ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले वोट डाला। उनके बाद कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, और मल्लिकार्जुन खरगे ने भी वोट डाले। सत्तारूढ़ गठबंधन

की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जी. किशन रेड्डी, रवनीत सिंह बिट्टू, ज्योतिरादित्य सिंधिया, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद बांसुरी स्वराज, मनोज तिवारी, रामवीर बिधूड़ी, हर्ष मल्होत्रा, और कमलजीत सहरावत ने मतदान किया। विपक्ष की ओर से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी अपना वोट डाला। इस चुनाव में ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल (बीजद), तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), और पंजाब की शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने वोटिंग में हिस्सा न लेने का फैसला किया। बीजद ने अपने सात राज्यसभा सांसदों जिनमें निरंजन बिशी, सुलता देव, मुजीबुल्ला खान, सुभाशीष खुंटिया, मानस रंजन मंगराज, सस्मित पात्रा, और देबाशीष सामंतराय के साथ मतदान से यह कहते हुए दूरी बनाई कि उनकी नीति एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों से समान दूरी बनाए रखने की है। शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब में अभूतपूर्व बाढ़ के कारण केंद्र और पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार से सहायता न मिलने की शिकायत के साथ मतदान से अलग रहने का निर्णय लिया। उनकी एकमात्र सांसद हरसिमरत कौर बादल ने इस फैसले का समर्थन किया। बीआरएस ने तेलंगाना में यूरिया की कमी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की उदासीनता का हवाला देते हुए बहिष्कार की घोषणा की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कहा कि पिछले 20 दिनों से हम यूरिया की कमी के बारे में चेतावनी दे रहे हैं लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। तेलंगाना के 71 लाख किसानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए हमने मतदान में हिस्सा न लेने का फैसला किया है।

नेपाल की मौजूदा स्थिति पर भारत चिंतित, बताया- हालात पर हमारी करीब से नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल में सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन पर भारत सरकार ने मंगलवार को कहा कि हम पूरी स्थिति पर नजर बनाकर रखे हुए हैं। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अपना आधिकारिक बयान जारी किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नेपाल में सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ जेन-जी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस के रवैये पर दुख जताया। मंत्रालय ने कहा कि हमें इस बात का दुख है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान कई युवा घायल हो गए, तो कई को अपनी जान गंवानी पड़ी। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हैं। इसके अलावा, हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर घायलों को जल्द से जल्द ठीक

करें। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से आगे कहा गया कि नेपाल के पड़ोसी देश होने के नाते हम पूरी स्थिति पर नजर बनाकर रखे हुए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि नेपाल में जल्द से जल्द स्थिति ठीक हो जाए और अगर किसी बात को लेकर किसी के बीच कोई मतभेद है, तो उसका समाधान संवाद के जरिए निकाला जाए।

इसके अलावा, नेपाल में रह रहे भारतीयों को वहां के अधिकारियों की ओर से जारी किए गए दिशानिर्देशों का गंभीरतापूर्वक पालन करने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि हमें यह जानकारी मिली है कि नेपाल के कई शहरों में मौजूदा स्थिति को देखते हुए कर्फ्यू लगाया गया है।

बता दें कि नेपाल सरकार ने चार सितंबर को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया था। जिसके खिलाफ देशभर के युवा सड़क पर आ गए थे। उन्होंने सरकार के फैसले का विरोध किया था। लेकिन, पुलिस ने उनके विरोध को दबाने के लिए बल प्रयोग किया। इसमें कई युवाओं की जान चली गई और कई अन्य घायल हैं। इसी बीच मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया।

'मैं सुरक्षित ह'... काजल अग्रवाल ने मौत की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

एजेंसी

मुंबई । साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी और बेहतरीन एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को लेकर सोशल मीडिया पर हाल ही में एक चौंकाने वाली अफवाह फैलने लगी। कई जगहों पर यह दावा किया गया कि काजल अग्रवाल का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि वह गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी हालत नाजुक है। इन खबरों के चलते फैंस चिंता में आ गए। हर कोई उनकी सलामती को लेकर परेशान हो गया। लेकिन, अब खुद काजल ने इन तमाम झूठी बातों का जवाब दिया है और बताया है कि वह बिल्कुल ठीक हैं। काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट में साफ किया कि ये सारी बातें बेबुनियाद हैं।

उन्होंने लिखा कि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चल रही हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि वह किसी हादसे में मर चुकी हैं।

काजल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ये खबरें न सिर्फ फर्जी हैं, बल्कि काफी मजेदार भी हैं, क्योंकि इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि भगवान की कृपा से वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं, स्वस्थ हैं और अच्छी जिंदगी जी रही हैं। काजल ने अपने फैंस से विनम्र निवेदन करते हुए कहा, 'कृपया इस तरह की झूठी बातों पर विश्वास न करें और न ही इन्हें आगे बढ़ाएं। हमें निगेटिव चीजों से हटकर पॉजिटिव और सच्ची बातों पर ध्यान देना चाहिए।'

अमृतसर में पांच नशा तस्कर गिरफ्तार, 8.1 किलो हेरोइन बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। सीमा पार से नार्को-आतंकवाद नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने सोनी सिंह उर्फ सोनी को उसके चार साथियों समेत गिरफ्तार करके हेरोइन तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के कब्जे से 8.1 किलो हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर के अजनाला निवासी गुरसेवक सिंह, विशालदीप सिंह उर्फ गोला, गुरप्रीत सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी बताया कि इस सिंडिकेट का पाकिस्तान से संबंध था और भारतीय क्षेत्र में हेरोइन की बड़ी खेपें पहुंचाने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाता था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह सिंडिकेट आगे के नेटवर्क में खेपों को पहुंचाने के लिए होटलों का उपयोग करता था। डीजीपी ने कहा कि हैंडलरों, सप्लाई

चेन और वित्तीय नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस टीमों ने शहर के बाहरी इलाके से नशा तस्कर सोनी सिंह को 150 ग्राम हेरोइन और ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सोनी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के छह मामले दर्ज हैं और वह जून महीने में जेल से बाहर आया था। उसने लगभग 30 किलो हेरोइन की खेपें ड्रोन के माध्यम से हासिल की थीं, जो आगे नेटवर्क में सप्लाई की जानी थी। सीपी ने कहा कि सोनी के खुलासे पर उसके साथी गुरसेवक सिंह को 8.037 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के बाद बाकी सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारी तथा बरामदगी की उम्मीद है।

ब्रिक्स वर्चुअल शिखर सम्मेलन: भारत का यूएन में सुधार और तर्कसंगत व्यापार पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के नेताओं के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुधारों और देशों के बीच तर्कसंगत व्यापार पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि व्यापार को गैर-व्यापारिक मुद्दों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और विकासशील देशों के साथ व्यापार को विशेष और अगल स्थान देना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को खुलेपन, निष्पक्षता, पारदर्शिता, भेदभावरहित रवैया और समावेशिता के अनुरूप बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विकासशील देशों के लिए विशेष एवं भिन्न व्यवहार को संरक्षण देने पर जोर दिया। उनके अनुसार विश्व को स्थिर और भरोसेमंद व्यापार और निवेश वातावरण चाहिए। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्पादन और विनिर्माण को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना जरूरी है। इससे क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और अनिश्चित परिस्थितियों में आशंकाएं कम होंगी जयशंकर ने कहा कि

वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोगी दृष्टिकोण आवश्यक है। अनावश्यक बाधाएं खड़ी करना या व्यापार को गैर-व्यापार मुद्दों से जोड़ना उचित नहीं होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि ब्रिक्स देश आपसी व्यापार प्रवाह की समीक्षा कर पूरी दुनिया के लिए उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। विदेश मंत्री ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के कामकाज में हाल के वर्षों में गंभीर कमियां उजागर हुई हैं, जिसने साझा समाधान की प्रक्रिया को बाधित किया है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि जलवायु कार्यवाही और जलवायु न्याय को वैश्विक प्राथमिकताओं में पीछे धकेल दिया गया है। उन्होंने दुनियाभर में चल रहे संघर्षों के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विशेषकर ग्लोबल साउथ की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संघर्षों ने खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

10 दिसम्बर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में समीक्षा बैठक

जयपुर, 9 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसंबर) के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य आयोजन से पूर्व आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट और अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट की सघन समीक्षा करते हुए इन आयोजनों में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले एक दिवसीय प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य एवं जल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सेशन आयोजित होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सेशन के दौरान इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों और विशेषज्ञों को जोड़ने की विशेष रूपरेखा बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्रों में शामिल विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक निवेश प्राप्त करने के उद्देश्य से नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाए। उन्होंने आयोजन के दौरान पंचगौरव पर लघु फिल्म के प्रदर्शन के भी निर्देश दिए, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपने जिले की मिट्टी से जुड़ाव महसूस करें। श्री शर्मा ने अन्य राज्यों में नियुक्त राजस्थान मूल के अधिकारियों से सघन संपर्क स्थापित करने के विशेष निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि हासिल करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को इस दौरान सम्मानित भी किया जाएगा।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस से पूर्व राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट आयोजित की जाएंगी। उन्होंने सितम्बर और अक्टूबर माह में प्रस्तावित हैदराबाद, सूरत और कोलकाता राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट एवं नवंबर माह में अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट के संबंध में गहन चर्चा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध रूप से इनकी तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शर्मा के निर्देश पर आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित होने जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश में इस्तगासों से दर्ज होने वाले प्रकरणों और अपराधों में लगातार गिरावट, पिछले 2 वर्षों से लगातार जारी है कमी का सिलसिला

जयपुर, 09 सितम्बर। राजस्थान पुलिस की अपराधों को दर्ज करने की पारदर्शी, निष्पक्ष एवं फ्री-रजिस्ट्रेशन की नीति के चलते अपराध नियंत्रण और शिकायत निस्तारण में राजस्थान पुलिस की प्रतिबद्धता का असर नजर आने लगा है।

राजस्थान पुलिस की फ्री-रजिस्ट्रेशन नीति के कारण जहां एक ओर प्रदेश में समग्र अपराधों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं दूसरी ओर न्यायालयों से इस्तगासों के माध्यम से दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

इस्तगासों से दर्ज होने वाले प्रकरणों में 9.67 प्रतिशत तक की कमी- पुलिस मुख्यालय की अपराध शाखा से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सीआरपीसी 156 (3)(अब बीएनएसएस के सेक्शन 175 (3) के तहत वर्ष 2023 में प्रदेश में कुल 39,634 प्रकरण इस्तगासो से दर्ज किए गए थे, जबकि वर्ष 2024 में यह घटकर 37,794 रह गए। इस तरह एक साल में ही पिछले वर्ष की तुलना में 1840 कम प्रकरण इस्तगासों से दर्ज हुए और यह गिरावट 4.64 प्रतिशत रही।

पिछले तीन वर्षों में अगस्त माह तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2023 में अगस्त माह तक 27,603, वर्ष 2024 में अगस्त माह तक 26,621 और वर्ष 2025 में अगस्त माह तक 24,046 प्रकरण इस्तगासों के माध्यम से दर्ज हुए।

इस दृष्टि से वर्ष 2023 से 2024 में 982 (3.56 प्रतिशत) तथा वर्ष 2024 से 2025 में 2572 (9.67प्रतिशत) कम प्रकरण इस्तगासों के माध्यम से दर्ज हुए।

गैर मजरूआ भूमि हुआ अतिक्रमण मुक्त।

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र में अतिक्रमित भूमि को किया गया मुक्त। गैर मजरूआ भूमि को पातेपुर सी ओ और पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के सिमरवाड़ा पंचायत के रमौली गांव में अतिक्रमण वाद संख्या 3/2425 में पारित आदेश के आलोक में अंचलाधिकारी पातेपुर प्रभात कुमार तथा पुलिस पदाधिकारी मनोज पांडे की उपस्थिति में अतिक्रमण मुक्त कराई गई। इस मौके पर पुलिस बल कि मौजूदगी मं जेसीबी चलाकर गैर मजरूआ भूमि को अति क्रमण से मुक्ति करवाई गई।

आमजन को आवागमन की बेहतर कनेक्टीविटी देने के लिए हम संकल्पित - मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 09 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश में मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी। साथ ही, स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितम्बर से भाजपा मनाएगी "सेवा पखवाड़ा":— संतोष अहलावत

जयपुर, 09 सितंबर 2025। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन करेगी। इस अवसर पर प्रदेशभर में विविध सेवा, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। सेवा पखवाड़े के सुचारु संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार, 11 सितम्बर को दुगार्पुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र के सभागार में किया जाएगा। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। सेवा पखवाड़े की तैयारियों को लेकर प्रदेश स्तरीय समिति की बैठक मंगलवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अपूर्वा सिंह, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ सहित सोशल मीडिया, आईटी और अन्य समिति पदाधिकारी उपस्थित रहे।

10 दिसम्बर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में समीक्षा बैठक

जयपुर, 9 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसंबर) के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य आयोजन से पूर्व आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट और अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट की सघन समीक्षा करते हुए इन आयोजनों में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले एक दिवसीय प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य एवं जल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सेशन आयोजित होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सेशन के दौरान इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों और विशेषज्ञों को जोड़ने की विशेष रूपरेखा बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्रों से शामिल विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक निवेश प्राप्त करने के उद्देश्य से नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाए। उन्होंने आयोजन के दौरान पंचगौरव पर लघु फिल्म के प्रदर्शन के भी निर्देश दिए, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपने जिले की मिट्टी से जुड़ाव महसूस करें। श्री शर्मा ने अन्य राज्यों में नियुक्त राजस्थान मूल के अधिकारियों से सघन संपर्क स्थापित करने के विशेष निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि हासिल करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को इस दौरान सम्मानित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी श्री सी.पी. राधाकृष्णन को दी बधाई

जयपुर, 9 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विजयी सी.पी. राधाकृष्णन को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री शर्मा ने कहा कि सी.पी. राधाकृष्णन ने हमेशा सामुदायिक सेवा और वंचितों के सशक्तिकरण पर सक्रिय भूमिका निभाई है। उनका विनम्र और मिलनसार व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राधाकृष्णन की जीवन यात्रा संसदीय भागीदारी और गवर्नर के कर्तव्यों का एक अनूठा संयोजन भी है, जो उपराष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद के दायित्वों के निर्वहन में अहम भूमिका निभाएगा।

सोते हुए परिवार पर कहर बनकर गिरा मकान, दो भाई बहनों की मौत, मां सहित चार पुत्र घायल

जुरहरा, जिला डीग रेखचन्द्र भारद्वाजः थाना क्षेत्र के गांव डुबोकर में रविवार की देर रात्रि को एक सोते हुए परिवार पर दो मंजिला मकान कहर बनकर गिर गया। मकान के मलबे में दबने से दो भाई-बहिनों की मौत हो गई है जबकि मकान मालिक व परिवार के अन्य चार सदस्य मलबे में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को कामां के अस्पताल लाया गया जहां गंभीर हालत होने के कारण घायलों को भरतपुर रैफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जुरहरा थाना क्षेत्र के ग्राम डुबोकर निवासी शमीम पुत्र जुहरू मेव अपनी आजीविका कमाने के लिए हैदराबाद गया हुआ है पीछे से उसकी पत्नी आयशा अपने पांच बच्चों को लेकर मकान में सो रही थी। दो बच्चे ऊपर वाली मंजिल पर

सो रहे थे व शेष तीन बच्चे अपनी मां के साथ नीचे सो रहे थे। अचानक रविवार की देर रात्रि को मकान भरभराकर गिर गया मकान के मलबे में एक ही परिवार के 6 लोग दब गए। जिसमें से बालक सैफ व बालिका जारा की मलबे में दबने से मौत हो गई है जबकि चार घायलों को कामां अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल कैफ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई जबकि सैफ, जैद व मां आईशा को भरतपुर रैफर कर दिया गया जहां उपचार के दौरान सैफ ने भी दम तोड़ दिया है। घटना की सूचना मिलने पर हल्का पटवारी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। वहीं दूसरी ओर विधायक नौक्षम चौधरी के निर्देश पर कामां एसडीएम सुभाष यादव व जुरहरा तहसीलदार मोहनलाल सियोल भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लेकर पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की कार्रवाई शुरू की। वहीं सोमवार को देर शाम विधायक नौक्षम चौधरी विधानसभा सत्र को छोड़कर पीड़ित परिवार से मिलने के लिए डूबोकर पहुंची और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और घटना के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक नौक्षम चौधरी ने घटना स्थल का दौरा कर व घटना के बारे में जानकारी लेकर जिला कलक्टर उत्सव कौशल से फोन पर वार्ता की व उपखंड के अधिकारी को पीड़ित परिवार को अधिक से अधिक सरकारी सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक के साथ कामां तहसीलदार भरतदान, जुरहरा तहसीलदार मोहनलाल सियोल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति बने भगवाधारी राधाकृष्णन: मजबूत नेतृत्व से नई संसद, समावेशी भारत की ओर कदम

भारतीय लोकतंत्र के सबसे अहम संवैधानिक पदों में उपराष्ट्रपति का स्थान न केवल संसदीय व्यवस्थाओं के संचालन के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व और सामाजिक मूल्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। 9 सितंबर 2025 को हुए चुनाव में, कुल 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिनमें महाराष्ट्र के राज्यपाल और एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन को 452 वोट प्राप्त हुए। विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। यह चुनाव देश के सबसे समावेशी, प्रतिस्पर्धी और बहुपक्षीय संसदीय प्रक्रियाओं में से एक रहा जिसमें व्यक्तिगत, राजनीतिक और राष्ट्रीय मूल्यों की गूंज स्पष्ट दिखी।

सी.पी. राधाकृष्णनः उपराष्ट्रपति बनने की ऐतिहासिक जीत और देश के लिए नयी दिशाएँ

1. जीवन परिचय और शुरूआत

सी.पी. राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में एक साधारण परिवार में हुआ। आरंभ से ही शिक्षा और सामाजिक सेवा पर उनका जोर रहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में स्वयंसेवक के तौर पर सक्रिय कार्य करते हुए उन्होंने जनसेवा के जीवंत आदर्शों को अपनाया। 1974 में जनसंघ के राज्य कार्यकारिणी सदस्य बने, और यहीं से उनके सार्वजनिक जीवन की गहरी शुरूआत हुई।

2. राजनीतिक यात्रा और विविध अनुभव

राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में कोयंबटूर से सांसद के रूप में जीत हासिल की, जहाँ वे वित्त, टेक्सटाइल और सार्वजनिक क्षेत्र जैसी कई समितियों से जुड़े रहे। 2004 में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि रहे। बाद के वर्षों में भाजपा की तमिलनाडु इकाई का नेतृत्व करने के साथ उन्होंने राज्य के विकास, सामाजिक समावेश और दलित/वंचित अधिकारों के लिए उल्लेखनीय अभियान चलाया।

3. राज्यपाल के रूप में उत्कृष्ट कार्य

वे झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पुडुचेरी के राज्यपाल रहे। इन राज्यों में प्रशासनिक संयम, पारदर्शिता और जन कल्याण की नीति को लागू किया। राज्यपाल के पद की गरिमा को बनाए रखते हुए उन्होंने संविधान का सम्मान और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी।

4. संसदीय नेतृत्व एवं संवाद

उपराष्ट्रपति के रूप में सी.पी. राधाकृष्णन राज्यसभा के सभापति बनेंगे। यहाँ उनका दायित्व सदन की गरिमा बनाए रखना, गुणवत्तापूर्ण बहस को बढ़ाना और लोकतांत्रिक संवाद का स्तर ऊँचा करना होगा। उनकी संवाद क्षमता, समावेशी नीति दृष्टि और निष्पक्षता से उम्मीद है कि संसद में क्षेत्रीय, सामाजिक और राजनीतिक विविधताओं का सही प्रतिनिधित्व होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति बनने पर राधाकृष्णन के जनसेवा, अनुभव, और देश के लिए उनके समर्पण की सराहना करते हुए सुशासन और समावेशिता की ओर बढ़ते राष्ट्र की कल्पना प्रकट की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद में मतदान करते हुए उनके नेतृत्व कौशल और संवादशीलता की विशेष प्रशंसा की।

कांग्रेस ने आत्मा की आवाज की दुहाई दी, लेकिन जिनकी आत्मा जागी, उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार को ही बनाया विजयी: मदन राठौड़

जयपुर, 09 सितंबर 2025। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत की खुशी में भाजपा प्रदेश कार्यालय में जोरदार आतिशबाजी की गई, मिठाइयाँ बाँटी गईं और कार्यकताओं ने भव्य जश्न मनाया। इस अवसर पर कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। एनडीए प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और एनडीए के जन-समर्थन का प्रमाण बताया। राठौड़ ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में राधाकृष्णन को कुल 452 वोट प्राप्त हुए, जबकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। इस प्रकार एनडीए उम्मीदवार ने 152 वोटों के अंतर से शानदार विजय हासिल की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि "जब से यह चुनावी प्रक्रिया शुरू हुई थी, हमें पूरा विश्वास था कि हमारे पास जितने सांसदों का समर्थन है, उससे कहीं अधिक वोट हमें प्राप्त होंगे।

इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति सांसदों का विश्वास और भी दृढ़ हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप एनडीए से बाहर के कई सांसदों ने भी हमारे उम्मीदवार को समर्थन दिया।"

25 सितम्बर को रोहतक में होने वाला सम्मान समारोह प्रदेश की राजनीति में नई दिशा तय करेगा : देवेंद्र पुजारी

कैथल (कृष्ण प्रजापति): जननायक जनता पार्टी की ओर से अम्बाला जोन की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कर्ण सिंह चौटाला ने की। बैठक में 25 सितम्बर को जननायक ताऊ देवीलाल की जयंती एवं सम्मान दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर सभी युवा जिला अध्यक्ष, हल्का अध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में तय किया गया कि 25 सितम्बर को रोहतक में आयोजित होने वाला सम्मान दिवस सिर्फ. हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में ताऊ देवीलाल की विरासत और किसानों, मजदूरों व गरीब तबके के लिए उनके संघर्षों को याद करने का प्रतीक बनेगा। सभी कार्यकताओं से आह्वान किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में पहुंचकर जननायक ताऊ देवीलाल को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

कैथल सहकारी चीनी मिल में चला स्वच्छता अभियान, कर्मचारियों ने किया श्रमदान, स्वच्छता को बनाया संकल्प

कैथल (कृष्ण प्रजापति):: आज सहकारी चीनी मिल कैथल में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में शुगर मिल कर्मचारी यूनियन प्रधान सुरेश शर्मा, संयोजक सुशील इंसा,

चीफ इंजीनियर जुबेरी, इंजीनियर लवलेश, जोगा सिंह, राजेंद्र बात्ता सहित सभी कर्मचारी शामिल हुए और मिल परिसर की साफ-सफाई में श्रमदान किया।

इस दौरान कर्मचारियों ने मिलकर मिल प्रांगण की सफाई की, कचरे को उठाया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। शुगर मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान प्रधान सुरेश शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ कार्यस्थल न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि इससे कार्यक्षमता और अनुशासन में भी सुधार आता है।

आगरा बल्केश्वर में बड़ा हादसा; यमुना किनारे महालक्ष्मी मंदिर की दीवार ढही

देश का दर्पण न्यूज।उत्तर प्रदेश से संवाददाता।। प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट

आगरा। आगरा बल्केश्वर महादेव मंदिर के पास सोमवार के नाम को बड़ा हादसा हो गया। बल्केश्वर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में यमुना किनारे के पास की दीवार ढह गई कुछ लोगो के मलबे में दबे होने की सूचना है पुलिस गोताखोरों की मदद से तलाश में जुटी हुई है हादसे की सूचना पर बड़ी संख्या में फोर्स के साथ अधिकारी पहुंच गए इलाकों को सील कर दिया गया किसी को भी घटनास्थल की ओर जाने नहीं दिया जा रहा है तलाशी अभियान जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो सोमवार शाम को मंदिर में पूजा अर्चना चल रही थी इसमें काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान दीवार ढहने के चलते हादसा । खुद को बचाने के लिए लोग इधर उधर भागने लगे । सुचना पर फोर्स के साथ आला अधिकारी पहुंच गए । पुलिस के गोताखोर डूबे हुए लोगों की तलाश अभियान में जुटे हैं लेकिन अब तक किसी के भी हताहत होने की पुष्टि नहीं हो पाई है गौरतलब है कि आगरा में यमुना उफान पर है नदी किनारे के इलाके यमुना के पानी में जलमग्न है महालक्ष्मी मंदिर भी यमुना किनारे स्थित है

आगरा में यमुना नदी का कई इलाकों में दहशत का माहौल है बड़े नाले उल्टे बहाने से बस्तियों में पानी भरने से नागरिकों में अपरा -तफरी

देश का दर्पण न्यूज।। उत्तर प्रदेश से संवाददाता।।। प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट

बल्केश्वर रजवाड़े क्षेत्र की कई गलियों में पानी पानी नजर आने लगा है आज सुबह जसवंत की छतरी , पार्वती घाट ,बहादुरपुर मनोहरपुर दयालबाग, लोहिया नगर, राधा नगर बगीची, हाथी घाट मार्ग बेलागंज, दयालबाग पोइया घाट, एत्माददौल, कबीर घाट, सीताराम घाट, कैलाश महादेव, शहर से लेकर गांव तक पानी पहुंच चुका था सोमवार को आगरा में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया तमाम इलाकों के ऐसे में नाले बैक मारने लगे हैं, सोमवार को तमाम नीचे इलाके की बस्तियों में पानी भरने से नागरिकों में अपरा तफरी जैसे हालात बन गए हैं, जिला प्रशासन पुलिस और सिंचाई विभाग के अधिकारी बाढ़ की आशंका को देखते हुए मौके पर पहुंचे रहे हैं यमुना नदी के जलस्तर पर निगरानी रखे हुए हैं राजवाड़ा, लोहिया,बलकेश्वर, के गुड्, अनिल कुमार, अनु शर्मा, अंकित अग्रवाल, का कहना है रात को गलियों में पानी घुसा गया उसके बाद टोरंटो की टीम ने क्षेत्र की लाइट को बंद किया गया बढ़ते जलस्तर को देखने के लिए यमुना नदी घाटों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जमाबड़ा को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों के लिए सरदर्द बन गई है

सेवा रत्न अवार्ड से सम्मानित हुई सेवा भाव समिति

देश का दर्पण न्यूज।। उत्तर प्रदेश से संवाददाता।। प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट

आगरा। सोमवार को बिग पेजेस फाउंडेशन (रजि.) का दसवा स्थापना दिवस समारोह का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से होटल पी.एल. पैलेस में मनाया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति, लधु उद्योग निगम के लिमिटेड के अध्यक्ष राकेश गर्ग, जनकपुरी समिति के अध्यक्ष मुरारी लाल अग्रवाल, तपन ग्रुप के चेयरमैन सुरेश चन्द गर्ग, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता और अध्यक्ष विमल आगरावाला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री धर्मवीर प्रजापति, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राकेश गर्ग ने सेवा भाव समिति आगरा के अध्यक्ष सुमित कुमार प्रजापति सहित पूरी टीम को सेवा रत्न के अवार्ड से सम्मानित किया गया। सेवा भाव समिति अध्यक्ष सुमित कुमार प्रजापति ने बताया कि हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि 10 संस्थाओं के चयन में सेवा भाव समिति आगरा को भी सेवा रत्न अवार्ड से सम्मानित किया है। मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं बिग पेजेस फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष विमल आगरा वाला को।

संरक्षक मधुकर अरोड़ा ने बताया कि दसवे स्थापना दिवस पर भारतीय परिवेश में समाज सेवा और समुदाय की भूमिका विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे शिक्षा मुख्य वक्ता मनीष अग्रवाल, डॉ ईभा गर्ग, सुनीता सिंह, एड. समारोह में उपस्थित सम्मानित लोग। राकेश भटनागर और भाजपा महानगर उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता ने अपने विचार रखें। सचिव मनीष वर्मा ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणीय कार्य कर रही दस संस्थाओ को सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया। संस्था में निस्वार्थ सेवा दे रहे 18 सहयोगियों को मंच से सम्मानित किया।

अपर समाहर्ता सीवान में केस करने के बाद भी नहीं सुधार हुआ आवेदक का जमाबंदी .....

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद
सीवान जिले में एक किसान पिछले 17 वर्षों से प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा है। खुरमाबाद गांव के काली शंकर चौधरी अपनी जमीन की ऑनलाइन रसीद पाने के लिए 2007-08 से चक्कर लगा रहे हैं। अंचल कार्यालय, सीवान सदर में राजस्व कर्मचारियों की एक छोटी सी गलती ने उनके लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है।

क्या है पूरा मामला?
यह मामला साल 2007-08 का है, जब काली शंकर ने अपनी मां ललिता देवी से मिली जमीन का दाखिल-खारिज कराया था। उस समय अंचल कार्यालय ने उनके नाम पर जमाबंदी रसीद जारी की, जिसमें खाता संख्या 2360 और सर्वे नंबर 1582 दर्ज था। लेकिन रजिस्टर 2 और ऑनलाइन पोर्टल पर यह खाता संख्या गलत तरीके से 2368 दर्ज हो गई। इस गलती का पता तब चला जब काली शंकर पिछले साल ऑनलाइन रसीद प्राप्त करने गए।

कई दरवाजे खटखटाए, फिर भी समाधान नहीं
इस समस्या को सुलझाने के लिए काली शंकर ने कई प्रशासनिक रास्तों का सहारा लिया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

जन शिकायत निवारण कार्यालयः उन्होंने बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय में आवेदन दिया (अनन्य संख्या 999990119062447529 2)। कार्यालय ने उन्हें "परिमार्जन प्लस" पोर्टल पर आवेदन करने का निर्देश दिया, पर इससे भी समस्या हल नहीं हुई।

* **अंचल अधिकारीः इसके बाद,** अंचल अधिकारी ने अपने पत्र (संख्या 551, दिनांक 19/03/2025) में स्वीकार किया कि गलती खाता संख्या में है और उन्हें जमाबंदी सुधार न्यायालय में आवेदन देने को कहा। काली शंकर का आरोप है कि यह सब राजस्व कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से हो रहा है।

* **अपर समाहर्ता का न्यायालयः 2** मई 2025 को अपर समाहर्ता, सीवान के न्यायालय में भी सुनवाई हुई (परिवाद संख्या 516110130012504705/1अ)। अपर समाहर्ता ने आवेदक को जमाबंदी सुधार के लिए अपने न्यायालय में ही आवेदन दाखिल करने का निर्देश दिया और अंचल अधिकारी ने भी सुधार करने पर सहमति जताई।

प्रधान सचिव को भी दिया लिखित आवेदन, फिर भी नहीं हुआ सुधार
इतने पापड़ बेलने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं हुआ, तो किसान ने प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार, पटना को भी लिखित सूचना दी। इस सब के बावजूद, समस्या जस की तस बनी हुई है।

यह मामला राजस्व विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है। एक छोटी सी लिपिकीय त्रुटि ने एक किसान को सालों से परेशान कर रखा है। काली शंकर अब उम्मीद कर रहे हैं कि अपर समाहर्ता के आदेश के बाद उनकी 17 साल पुरानी परेशानी का अंत हो जाएगा।
काली शंकर ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए, ताकि वह अपनी जमीन से संबंधित दस्तावेज ऑनलाइन प्राप्त कर सकें और बेवजह की परेशानी से मुक्ति पा सकें

मजदूरों से मारपीट के मामले में फरार चल रहे चवन्नी छाप आरोपी गिरफ्तार

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार.राकेश कोठेनिया हलेना भरतपुर...राजस्थान में भरतपुर के नदबई थाना क्षेत्र में गत वर्ष मजदूरों से मारपीट के मामले में फरार चल रहे 25 पैसे (चवन्नी) के इनामी आरोपी खूबीराम निवासी मई को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि गत वर्ष 2 मई 2024 को चवन्नी छाप आरोपी खूबीराम निवासी मई ने अपने परिजनों के साथ मिलकर मजदूरों की बुग्गा गाड़ी को टक्कर मारने के बाद मजदूरों के साथ मारपीट की थी। मामले में 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

हेरिटेज निगम - सीएम स्वनिधि योजना का अधिक से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

जयपुर। हेरिटेज निगम आगामी शहर चलो अभियान 2025 में आमजन के लिए सीएम स्वनिधि योजना में अधिक से अधिक ऋण राशि सहायता की सुविधा दिलाएगा। इसके लिए मंगलवार को हेरिटेज निगम की फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति की बैठक मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन रवि प्रकाश सैनी ने की। इस दौरान सभी समिति सदस्यों ने फुटकर विक्रेता, रेहड़ी वाले, अकुशल श्रमिक जैसे लोगों के लिए सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। इस दौरान समिति की ओर से सीएम स्वनिधि योजना की पोस्टर का विमोचन हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव और आयुक्त डॉ निधि पटेल के द्वारा कराया। इस अवसर पर हेरिटेज निगम महापौर ने बताया कि सीएम स्वनिधि योजना जरूरतमंद लोगों के लिए एक बहुत अच्छी योजना है। इस योजना में जरूरतमंद लोगों को बैंक से ऋण दिलाया जाएगा। योजना में भवन निर्माण श्रमिक, गीग वर्कस, डोमेस्टिक वर्कर आदि भी शामिल किए जाएंगे। वहीं निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बताया कि सीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 10 हजार रुपए से 80 हजार रुपए तक का लोन बैंक के द्वारा स्वीकृत किया जाता है। जिसमें असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले जरूरतमंदों को मूल दस्तावेज जमा करने पर आसानी से मिल जाता है। शहर चलो अभियान के तहत हेरिटेज निगम की ओर से लगाए जाने वाले कैंपों में सीएम स्वनिधि योजना में अधिक से अधिक लोगों को ऋण सुविधा दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

अदिति कुमारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पचरुखी पर गंभीर आरोप: कार्यालय से गायब, सिर्फ उगाही का काम?

सीवानः प्रखंड कल्याण पदाधिकारी पचरुखी जो प्रभार मे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (इएड), का कार्यभार भी संभाल रही हैं, इन दिनों अपने कार्यशैली को लेकर सुर्खियों में हैं। एक व्यक्ति ने नाम नहीं छपने की शर्त पर बताया कि और कार्यालय में नियमित रूप से नहीं बैठतीं और केवल धन उगाही के उद्देश्य से अपने क्लर्क के माध्यम से लोगों से मिलती हैं। यह भी बताया गया है कि जिन कामों में 'माल' मिलता है, वही काम प्राथमिकता से किए जाते हैं, जबकि आम जनता को कल्याण विभाग से संबंधित कार्यों के लिए उनसे मिलना लगभग असंभव है।

काम से ज्यादा 'बिजी' रहने का बहाना
शिकायतकताओं का कहना है कि जब भी कोई नागरिक किसी जरूरी काम से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय जाता है, तो वे या तो मिलती ही नहीं हैं या 'बिजी' होने का बहाना बना कर टाल देती हैं। इस रवैये से जनता के आवश्यक कार्य अटके हुए हैं।

प्रधानाध्यापक के बिना अनुमति से विडियो बनवा कर
आरोपों में यह भी शामिल है कि विभाग के स्पष्ट निदेशों के बावजूद कि किसी भी विद्यालय में बिना प्रधानाध्यापक की अनुमति के नहीं जाना है, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी इस नियम का उल्लंघन कर रही हैं। इतना ही नहीं, जो शिक्षक उन्हें पैसे नहीं देते, उनके खिलाफ विभाग में झूठी शिकायतें करके उन्हें निलंबित करने का दबाव बनाया जाता है।
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के कार्यक्षेत्र में अनियमितता की जांच की मांग
इस स्थिति को देखते हुए, यह जानना जरूरी है कि एक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के अंतर्गत कौन-कौन से प्रमुख कार्य आते हैं और इन अनियमितताओं की किस तरह जांच की जा सकती है:

* शिक्षकों और विद्यालयों का निरीक्षणः प्रखंड के सभी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करना।
* शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानीः स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और सुधार के उपाय सुझाना।
* सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयनः मिड-डे मील, छात्रवृत्ति, और अन्य सरकारी योजनाओं को सही तरीके से लागू करवाना।
* शिक्षकों की उपस्थिति और वेतनः शिक्षकों की उपस्थिति और उनके वेतन संबंधी कार्यों की निगरानी करना।
* अनुशासनिक कार्रवाईः नियमों का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करना।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है ताकि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के कार्यों की अनियमितताओं का खुलासा हो सके और जनहित के कार्य सुचारू रूप से चल सकें।

सब्जी मंडी क्षेत्र को कॉमर्शियल रूप से डेवलप करने की योजना बनाई

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार.. राकेश कोठेनिया हलेना भरतपुर... विकास प्राधिकरण, शहर को जलभराव की समस्या से स्थाई राहत दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। प्राधिकरण द्वारा 40 से 50 करोड़ रुपये की लागत से 6 से 7 नई ड्रेन बनाई जाएंगी। इनमें सब्जी मंडी और सुभाष नगर क्षेत्र को प्राथमिकता से चिह्नित किया गया है। बीडीए आयुक्त कनिष्क कटारिया ने बताया कि बारिश के दौरान जलभराव बड़ी परेशानी बन जाता है, इसलिए ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने की योजना तैयार की गई है। साथ ही, दीपावली पर शहर को आकर्षक लाइटिंग से सजाने की तैयारी भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि और दीपावली के मौके पर 50 से 60 प्लॉट्स की नीलामी की जाएगी। सभी प्लॉट्स विभिन्न स्कीमों में शामिल हैं। नीलामी वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज की समस्या का समाधान भी साथ-साथ सुनिश्चित किया जाएगा। सब्जी मंडी क्षेत्र को कॉमर्शियल रूप से डेवलप करने की योजना भी बीडीए द्वारा बनाई जा रही है ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और प्राधिकरण की आय में भी वृद्धि हो।

*जयपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की विशाल जनसभा, सामाजिक समरसता और आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग

जयपुर। महल रजवाड़ा रिसॉर्ट में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की विशाल जनसभा व प्रबुद्धजन सम्मान समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर महेंद्र सिंह तँवर के नेतृत्व में क्षत्रिय परंपरा के साथ धूमधाम से आयोजित हुआ। संयोजक मोतीसिंह नाथावत ने बताया कि समारोह में देशभर से क्षत्रिय सिरदारों और वीरांगनाओं ने हिस्सा लिया। सभा में सामाजिक समरसता, आर्थिक आधार पर आरक्षण, क्षत्रिय महापुरुषों के इतिहास संरक्षण और समाज-राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने क्षत्रिय इतिहास के साथ छेड़छाड़ और महापुरुषों के अपमान पर रोष जताया, सरकार से दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

लखनऊ में दिखेगा निशानची का रंग, 12 सितंबर को ऐश्वर्य ठाकरे-वेदिका पिंटो की नई जोड़ी संग पहुँचेंगे डायरेक्टर अनुराग कश्यप !

जित मुम्बईः-अपनी बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप चेन्नई के बाद अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन के लिए लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो संग नवाबों के शहर कहे जाने वाले लखनऊ का दौरा करने जा रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होते ही यह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है, ऐसे में 12 सितंबर को होने वाला यह दौरा उत्साह को और बढ़ाने वाला है। अमेजन टग्न्नट स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ

ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन "पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई" पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेजी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है। निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है। निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूज़िक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूज़िक अपनी ताजगी और अलग अंदाज के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

बाल विवाह प्रतिषेध के संबंध में समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया)
9 सितम्बर। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में अटल सेवा केन्द्र में वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने उपखण्ड अधिकारी एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धन परिवार में बाल विवाह होने की संभावना अधिक रहती है। ग्राम पंचायतों में होने वाली ग्राम सभाओं में एव "नो बैग डे" के दिन विद्यालयों में छात्र-छात्राओं से निबंध प्रतियोगिता प्रार्थना सभा के दौरान बाल विवाह से होने वाले हानियों के बारे में जागरूक करें एवं उपखण्ड अधिकारी समस्त तहसीलदार, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से निर्धन परिवारों को बाल विवाह से होने वाली हानियों एवं रूढ़वादी परम्पराओं को छोड़ने के लिए जागरूक करें। बाल विवाह

प्रतिषेध अधिकारी अपने प्रत्येक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बाल विवाह को रोकने का अधिक से अधिक प्रयास करें। उन्होंने सभी अधिकारियों से बाल विवाह रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान को गति देने, लक्षित क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने तथा जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बाल विवाह करने वाले कोई भी व्यक्ति के बारे में हेल्पलाइन नम्बर 1098, 100 या 181 पर बाल विवाह की सूचना दे सकते है। जिसमे उसकी पहचान गोपनीय रहेगी।

बाल विवाह के सूचना पर तत्काल जारी होगी निषेधाज्ञा
उन्होंने सभी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को बाल विवाह की सूचना पर तत्काल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट से निषेधाज्ञा जारी करवाने के निर्देश दिए। निषेधाज्ञा जारी होने के बाद भी यदि शादी होगी तो वह प्रारम्भ से ही शून्य होगी। उसका कोई पंजीकरण नहीं हो सकेगा और पता चलने पर तत्काल एफआईआर होगी।
उन्होंने बताया कि विवाह अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह अपराध है। जिसकी रोकथाम के लिए आवश्यक दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने के प्रावधान है, जिससे कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोका जा सके।
बाल विवाह रोकथाम हेतु संबंधित विभिन्न प्राधिकरण, विभागों के बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत कार्यवाही की जाएगी। बैठक में उपखण्ड अधिकारी धौलपुर डॉ. साधना शर्मा, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग एवं बाल संरक्षण इकाई देवेन्द्र सिंह जांगल, सीबीईओ महेश कुमार मंगल, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुक्खो देवी, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति मधु शर्मा सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ द्वारा कलेक्टर को किसानों की विभिन्न समस्याओं का लेकर ज्ञापन सौंपा

सुरज वर्मा
भीलवाडा ज़िले में माननीय प्रधानमंत्री,केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री को कलेक्टर भीलवाड़ा के माध्यम से दिया गया।तहसील अध्यक्ष कई किसान उपस्थित रहे। ज्ञापन में प्रमुख समस्यायें निम्न है।सभी कृषि आदानों से जीएसटी खत्म हो, आयात निर्यात नीति किसान हितैषी हो, किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी हो, मौके पर चल रहे रास्ते किसान हित में दर्ज रिकॉर्ड हो, ग्राम पंचायत द्वारा गोचर

भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर नरेगा में विकसित हो, गांवों में स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित हो, अतिवृष्टि से नष्ट फसलों की त्वरित गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिया जाए, बीमित फसलों का क्लेम समय पर दिया जाये, आपदा अनुदान राशि फसल लागत आधारित सुनिश्चित हो, हर खेत को सिंचाई का पानी सुनिश्चित हो, बकरी पालन मुर्गी पालन मछली पालन की भांति गो पालन योजना बनाई जावे, प्रत्येक ग्राम पंचायत पर समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित हो, फसल बुवाई से पूर्व खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित हो, बकाया आपदा अनुदान राशि फसल बीमा राशि क्लेम भुगतान अविलंब किया जावे

जहाजपुर-कोटड़ी में विकास की सुनहरी राहें बजट 2025-26 में 18 से अधिक सड़कों को मिली हरी झंडी, करोड़ों की लागत से होगा निर्माण

सुरज वर्मा
जहाजपुर-कोटड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी आई है।शक्करगढ़ क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री गोपीचंद मीणा के सतत प्रयासों और सरकार के सहयोग से बजट वर्ष 2025-26 में 18 से अधिक नई सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नया रूप मिलेगा।सबसे बड़ी परियोजना के रूप में जालमपुरा चौराहा से रावतखेड़ा होते हुए ठल्ल-148ऊ तक रिंग रोड का निर्माण स्वीकृत हुआ है, जिसकी लागत ?18 करोड़ होगी। यह रिंग रोड जहाजपुर शहर के चारों ओर यातायात को नया मार्ग प्रदान करेगी और शहर में जाम की समस्या से राहत दिलाएगी।

मुख्य स्वीकृत सड़कें-भवानीपुर बस स्टैंड से भीलों का झोपड़ा - ?1.10 करोड़
तेजाजी चौक से श्मशान घाट - 35 लाख
केसरपुरा से छितर जी के मकान तक - ?25 लाख
छाबड़िया आबादी क्षेत्र संपर्क सड़क - ?50 लाख
आमल्दा-रजवास-गेरूठा-रामपुरा - ?40 लाख
गुढ़ा (श्रृंगार चवरी) संपर्क सड़क - ?50 लाख
खजुरी से गड़बोदिया - 40 लाख
गुढ़ा से पचानपुरा - 50 लाख

दिल्ली में सम्मानित हुए समाजसेवी अभिषेक वाल्मीकि, राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से नवाजे गए

रिपोर्टर मोना कुमावत
***जयपुर** - समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले मेड़ता रोड निवासी युवा समाजसेवी अभिषेक वाल्मीकि को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें मंच पर ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पदक प्रदान कर राष्ट्रीय मीडिया में विशेष रूप से सम्मानित किया गया।अभिषेक वाल्मीकि इससे पूर्व भी राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। वे वाल्मीकि समाज के उत्थान, शिक्षा, सफाई अभियान, नशा मुक्ति और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन-जागरण जैसे कार्यों में लगातार सक्रिय रहे हैं। समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना, छुआछूत और भेदभाव को मिटाने हेतु लोगों को संगठित करना तथा अनाथ और असहाय बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं सम्मान प्राप्त करने के बाद अभिषेक वाल्मीकि ने निदेशक कमल चौधरी और सी.के. सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, मुझे समाजहित में कार्य करने योग्य समझा गया, यह मेरे लिए गर्व की बात है। अभिषेक वाल्मीकि को यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मान मिलने पर राजस्थान और आस-पास के ग्रामवासियों में खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई है

हेरिटेज निगम - सीएम स्वनिधि योजना का अधिक से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति की कल बैठक संपन्न

जयपुर। हेरिटेज निगम आगामी शहर चलो अभियान 2025 में आमजन के लिए सीएम स्वनिधि योजना में अधिक से अधिक ऋण राशि सहायता की सुविधा दिलाएगा। इसके लिए मंगलवार को हेरिटेज निगम की फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति की बैठक मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन रवि प्रकाश सैनी ने की। इस दौरान सभी समिति सदस्यों ने फुटकर विक्रेता, रेहड़ी वाले, अकुशल श्रमिक जैसे लोगों के लिए सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। इस दौरान समिति की ओर से सीएम स्वनिधि योजना की पोस्टर का विमोचन हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव और आयुक्त डॉ निधि पटेल के द्वारा कराया। इस अवसर पर हेरिटेज निगम महापौर ने बताया कि सीएम स्वनिधि योजना जरूरतमंद लोगों के लिए एक बहुत अच्छी योजना है। इस योजना में जरूरतमंद लोगों को बैंक से ऋण दिलाया जाएगा। योजना में भवन निर्माण श्रमिक, गीग वर्कस, डोमेस्टिक वर्कर आदि भी शामिल किए जाएंगे। वहीं निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बताया कि सीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 10 हजार रुपए से 80 हजार रुपए तक का लोन बैंक के द्वारा स्वीकृत किया जाता है। जिसमें असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले जरूरतमंदों को मूल दस्तावेज जमा करने पर आसानी से मिल जाता है। शहर चलो अभियान के तहत हेरिटेज निगम की ओर से लगाए जाने वाले कैंपों में सीएम स्वनिधि योजना में अधिक से अधिक लोगों को ऋण सुविधा दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पत्रकार की मौत,साथी गम्भीर घायल

सुरज **वर्मा**
भीलवाडा ज़िले के रायला आसींद हाईव पर कालियास के नजदीक पेट्रोल पंप के पास अज्ञात की वाहन की टक्कर से हुआ एक्सीडेंट ,दो जने गम्भीर घायल जिन्हे रायला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाया गया। जहां पर डॉक्टर ने पत्रकार एकता संघ राजस्थान के अध्यक्ष पत्रकार भैरू सिंह पुत्र गणपत सिंह,उम्र 50 वर्ष को मृत घोषित किया गया वहीं हादसे में हनुमान सिंह पुत्र जगदीश सिंह, उम्र 40 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे जिला अस्पताल रेपर किया गया
पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रधानमंत्री आज पंजाब दौरे के दौरान अजनाला बाढ़ पीड़ितों के लिए 60,000 करोड़ रुपये जारी करेंगे - धालीवाल

अमृतसर/अजनाला, 9 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) अजनाला निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित रमदास क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सरकारी कर्मचारियों और समाजसेवी संगठनों द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा की और कल, 9 सितंबर को हवाई सर्वेक्षण के माध्यम से पंजाब में बाढ़ से हुई

तबाही का जायजा लेने और पठानकोट के अधिकारियों से आकलन रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए दौरा करेंगे। श्री धालीवाल ने अपने सोशल मीडिया और पीएमओ के सोशल मीडिया हैंडल पर श्री मोदी को सीधे संबोधित किया। अपने वीडियो संदेश को टैग किया। जिसमें श्री धालीवाल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से अपील की कि कल मंगलवार 9 सितम्बर को पंजाब रवाना होने से पहले पंजाब के अंतर्राष्ट्रीय भारत-पाक सीमा क्षेत्र अजनाला में उनके गांव में आई भयानक बाढ़ की त्रासदी को याद करें, जो पिछले 20-22 दिनों से भयानक बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है, पड़ोसी दुश्मन देश की भारत विरोधी साजिशों और युद्धों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बलों के साथ दिन-रात सहयोगी भूमिका निभा रहा है और अब अपने गांवों में रावी नदी की बाढ़ का सामना कर रहा है, इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को भाग्य बन चुकी अप्रत्याशित आपदा के मंजर से राहत दिलाने के लिए प्रभावित पीड़ितों के लिए 2 हजार करोड़ रुपये का विशेष सीमा क्षेत्र पैकेज जारी करने के अलावा पंजाब सरकार की केंद्र सरकार की ओर बकाया राशि 50 हजार करोड़ रुपये जी.एस.टी. मुआवजे का कुल पैकेज, 8,000 करोड़ रुपये का पंजाब ग्रामीण विकास फंड और प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बिना किसी वैध कारण के रद्द किए गए 850 करोड़ रुपये, जो कि 60,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

प्रदेश में एक जनवरी 2024 से अब तक 42 नवीन न्यायालय खोले गए - विधि एवं विधिक कार्य मंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि उच्च न्यायालय एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर प्रदेश में नए न्यायालय खोले जाते है। उन्होंने सदन को बताया कि वर्ष 2024 से अब तक प्रदेश में 42 नवीन न्यायालय खोले गए हैं। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि जिला न्यायालय की दूरी व मुकदमों की संख्या को देखते हुए नवलगढ़ में अपर जिला न्यायालय खोलने पर गंभीरता से विचार किया जायेगा। इससे पहले विधायक श्री विक्रम सिंह जाखल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र नवलगढ में अपर जिला न्यायालय की स्थापना का मामला राजस्थान उच्च न्यायालय की कमेटी द्वारा लंबित प्रकरणों की संख्या को देखते हुये 25 जुलाई 2023 को अस्वीकार कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में राजस्थान उच्च न्यायालय से परामर्श, प्रस्ताव प्राप्त होने पर लंबित प्रकरणों की संख्या 1000-1200 होने पर तथा वित्तीय संसाधन की उपलब्धता होने पर नवलगढ़ में अपर जिला न्यायालय की स्थापना करने हेतु राज्य सरकार द्वारा विचार किया जा सकेगा। श्री पटेल ने प्रदेश में एक जनवरी 2024 के बाद स्थापित किये गये नवीन न्यायालयों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

श्री मंगलेश्वर महादेव मातृकुण्डिया में गंगा आरती के समान आरती करवाने के प्रस्ताव का परीक्षण कराया जा रहा है- देवस्थान मंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि मातृकुण्डिया में बनास नदी के किनारे बने देवस्थान विभाग के राजकीय आत्म निर्भर श्रेणी मंदिर श्री मंगलेश्वर महादेव में बनास नदी के घाट पर गंगा आरती के समान आरती करवाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव का परीक्षण कराया जा रहा है। परिक्षण उपरांत गुणावगुण के आधार पर निर्णय लिया जायेगा। देवस्थान मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि बजट 2023-24 के तहत पर्यटन विभाग द्वारा श्री मंगलेश्वर मंदिर, मातृकुण्डिया-चित्तौड़गढ़ में 308.56 लाख रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे है। इस सम्बन्ध में जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को भी शामिल किया जायेगा।

ओबरी से छानी मगरी सड़क का प्रस्ताव पुनः प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी- वन मंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। वन मंत्री श्री संजय शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि ओबरी से छानी मगरी सड़क का प्रस्ताव पुनः प्राप्त होने पर इसे केन्द्र सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सड़क का प्रस्ताव पहले भी केन्द्र सरकार को प्रेषित किया गया था, लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा इसे जनहित में आवश्यक नहीं माना गया था। वन मंत्री प्रश्न काल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इससे पहले विधायक श्री शंकरलाल डेचा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में वन मंत्री ने कहा कि ओबरी से छानी मगरी सड़क का प्रस्ताव सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दिनांक 03 मई 2025 को भारत सरकार को प्रेषित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा उक्त प्रस्ताव में कुछ सूचनाएं मांगी गई थी, जो जवाब हेतु यूजर ऐजन्सी के पास दिनांक 13 मई 2025 से लम्बित है। यह अवधि 90 दिन से ज्यादा लंबित होने के कारण प्रस्ताव परिवेश पोर्टल पर डिलिस्टेड हो गया है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रस्ताव पुनः प्राप्त होने पर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।वन मंत्री श्री संजय शर्मा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सागवाड़ा के लिए जिला कलेक्टर डूंगरपुर द्वारा वन विभाग को क्षतिपूर्ति भूमि उपलब्ध कराने हेतु गैर वन भूमि को आरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में भूमि को वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त मानकर अनापत्ति दी गई है।

पंजाब सरकार राहत शिविरों में रह रहे लोगों को हर तरह की मदद मुहैया करा रही

फाजिल्का, 9 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

पंजाब सरकार बाढ़ के कारण राहत शिविरों में पहुँचे लोगों को हर तरह की बुनियादी जरूरतें मुहैया करा रही है। यह जानकारी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ और फाजिल्का की उपायुक्त अमरप्रीत कौर संधू ने आज गाँव मौजम, राणा और सलेम शाह के राहत शिविरों का दौरा करने के दौरान दी। गौरतलब है कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ बाढ़ के मद्देनजर राहत कार्यों का जायजा लेने फाजिल्का आई थीं। इस अवसर पर उन्होंने इन राहत शिविरों में रह रहे बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की, जबकि यहाँ रह रही महिलाओं को स्वच्छता संबंधी सामान वितरित किया गया।

इस अवसर पर, उपायुक्त अमरप्रीत कौर ने कहा कि सभी राहत शिविरों में चिकित्सा विभाग और पशु चिकित्सा विभाग की टीमें तैनात की गई हैं। राहत शिविरों में लोगों को खाने-पीने सहित हर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उनके पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध कराया जा रहा है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के लिए इन शिविरों में अस्थायी कक्षाएं शुरू की गई हैं ताकि ये छात्र अपनी पढ़ाई से जुड़े रहें। इसके अलावा, एक मोबाइल लाइब्रेरी भी शुरू की गई है जो नियमित रूप से विभिन्न राहत शिविरों में जाकर यहां रह रहे लोगों को साहित्य से जोड़ने का बहुमूल्य कार्य कर रही है। फाजिल्का में जिला प्रशासन द्वारा 30 राहत शिविर लगाए गए थे, लेकिन इनमें से केवल 14 राहत शिविरों में ही लोग पहुंचे हैं और जो लोग यहां आए हैं, उनका प्रशासन द्वारा हर तरह से ध्यान रखा जा रहा है। इस समय राहत शिविरों में 2761 लोग रह रहे हैं। प्रत्येक राहत शिविर के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर जनरल डॉ. मनदीप कौर और सहायक कमिश्नर जनरल अमनदीप सिंह मावी भी उपस्थित थे।

मां वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निजी केन्द्रों पर भी निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा - उपमुख्यमंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में संचालित मां वाउचर योजना के तहत दूसरी एवं तीसरी तिमाही की गर्भवती माताओं को राजकीय सोनोग्राफी जाँच उपलब्ध नहीं होने पर वाउचर जारी किया जाता है। इस क्यूआर कोड जनित वाउचर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा दी जाती है। योजना के तहत प्रदेश के 1 हजार 363 निजी सोनोग्राफी केन्द्रों को अधिकृत किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन निजी केंद्रों को सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाता है। में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा में विस्तार के उद्देश्य से बजट घोषणा 2024 के तहत 17 सितम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में मां वाउचर योजना का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दूसरी व तीसरी तिमाही में निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए वाउचर दिये किये जाते हैं, जिनकी वैद्यता जारी दिनांक के 30 दिवस तक रहती है। किसी कारणवश इस अवधि में वाउचर का उपयोग नहीं कर पाने की स्थिति में महिला द्वारा चिकित्सा संस्थान जाकर वैद्यता अवधि को आगामी 30 दिन तक बढ़वाया जा सकता है। डॉ. प्रेमचंद बैरवा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में आगामी समय में सोनोग्राफी एवं एमआरआई मशीनों की जरुरत होने पर विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले विधायक श्रीमती शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत पाली में मां वाउचर योजना के तहत 17 सितम्बर, 2024 से 04 सितम्बर, 2025 तक 5 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर 583 सोनोग्राफी की गई है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, सोजत में निःशुल्क जांच योजना के तहत 1 हजार 804 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी की गई। उन्होंने जानकारी दी कि मां वाउचर योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करवाने का प्रावधान नहीं है।

पुलिस अफसरों ने निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए

लखनऊ। अपर पुलिस महानिदेशक (रेलवे) प्रकाश डी. द्वारा (पीएटी) परीक्षा के दृष्टिगत तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा अभ्यर्थियों से संवाद स्थापित कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, रेलवे लखनऊ सुधा सिंह, पुलिस अधीक्षक, रेलवे लखनऊ रोहित मिश्रा, क्षेत्राधिकारी, रेलवे (द्वितीय) हृषिकेश यादव, स्टेशन अधीक्षक अरविंद बघेल सहित रेलवे, आरपीएफ एवं जीआरपी के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों हेतु हेल्प डेस्क, होल्डिंग एरिया, पेयजल व चिकित्सा जैसी सुविधाओं का अवलोकन किया गया तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कांग्रेसी नेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखकर हो रहे है खुशः- मदन राठौड़

जयपुर,8 सितंबर 2025। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेसी नेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखकर खुश हो रहे है। 4 सितंबर को नगर निकाय उपचुनावों के परिणाम में 4 वार्डों में से 1 वार्ड में कांग्रेस जीत पाई, 3 पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है, इसके बावजूद कांग्रेसी नेता खुश होकर ताल ठोक रहे है। राठौड़ ने बताया कि निकाय एवं विधानसभा उपचुनावों में भाजपा ने बहुमत से जीत दर्ज करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि जनता का विश्वास आज भी भाजपा के सुशासन, विकास और पारदर्शिता पर कायम है। जबकि कांग्रेस प्रदेश के साथ देशभर में जनता के बीच अपना जनाधार खो चुकी है। ना कांग्रेसी नेताओं की कोई साख है ना ही जनता कांग्रेसी नेताओं पर विश्वास कर पा रही है।

प्रदेश में पिछले 2 सालों में कुल 80 उपचुनावों में से 59 में भाजपा की जीत यह प्रमाणित करती है कि कांग्रेस की कथित जीत केवल एक राजनीतिक दिखावा है।

प्रताप नहर-भरतपुर के विकास कार्यों में विलम्ब के कारणों की जाँच कर संबंधित के विरुद्ध आवशयक कार्यवाही की जाएगी - पर्यटन मंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि प्रताप नहर-भरतपुर के विकास कार्यों में देरी के संबंध में किसी अधिकारी की शिकायत मिलने पर जांच कर आवशयक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रताप नहर-भरतपुर के विकास कार्यों के लिए कार्यकारी एजेन्सी नगरपालिका, वैर द्वारा ड्राफ्ट डीपीआर तैयार की गई है। इस संबंध में निदेशालय स्वायत्त शासन द्वारा दिए गए विभिन्न सुझावों के आधार पर नगर पालिका के स्तर पर संशोधित डीपीआर तैयार की जा रही है। संशोधित डीपीआर में आवश्यक अनुमोदन एवं निविदा कार्यवाही के उपरांत कार्यादेश जारी किये जा सकेंगे।

दिया कुमारी प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि वैर- भरतपुर के सफेद महल व प्रताप फुलवारी के पर्यटन विकास कार्य हेतु कार्यकारी एजेन्सी- पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा डीपीआर तैयार करवाई गयी तथा डीपीआर के अनुसार कार्य करवाए जाने हेतु निविदा जारी कर मार्च, 2025 में निविदाएं प्राप्त की गई। कार्यकारी एजेन्सी द्वारा निविदादाता फर्म को 4 सितम्बर, 2025 को 425.16 लाख की राशि का कार्यादेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्य सितम्बर, 2027 तक पूर्ण किया जाएगा। कार्यादेश के अंतर्गत वैर किला एवं सफेद महल की मरम्मत, टूटी पट्टियों की मरम्मत, महल के अंदर कमरों की मरम्मत एवं चौक की मरम्मत का कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। इससे पहले विधायक श्री बहादुर सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यटन मंत्री ने कहा कि विधान सभा क्षेत्र वैर स्थित सफेद महल एवं प्रताप फुलवारी के पर्यटन विकास कार्यों के संबंध में कार्यकारी एजेन्सी पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग को तथा प्रताप नहर-भरतपुर के पर्यटन विकास कार्यों के संबंध में कार्यकारी एजेन्सी नगरपालिका, वैर को चयनित किया गया था। वैर- भरतपुर के सफेद महल व प्रताप फुलवारी के पर्यटन विकास कार्य हेतु कार्यकारी एजेन्सी द्वारा निविदादाता फर्म को 4 सितम्बर, 2025 को जारी 425.16 लाख की राशि के कार्यादेश की प्रति उन्होंने सदन के पटल पर रखी। उन्होंने बताया कि इन विकास कार्यों के क्रियान्वयन में अभी तक जो समय लगा है वह कार्यकारी एजेन्सी के चयन, डीपीआर तैयार करने व उसके अनुमोदन एवं निविदा प्रक्रिया में लगने वाले समय के कारण हुआ है।

10 सितम्बर से होगा खाद्यान्न वितरण

हरदोई। जिला पूर्ती अधिकारी ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न, का निःशुल्क वितरण तथा अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर, 2025 के सापेक्ष चीनी का वितरण माह सितम्बर, 2025 में 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 के मध्य वितरण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत अन्त्योदय कार्डधाराकों के मध्य प्रति कार्ड 14 कि०ग्रा० गेहूँ व 21 कि०ग्रा० फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 कि०ग्रा० खाद्यान्न) का वितरण कराया जायेगा। अन्त्योदय राशनकार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर, 2025 के सापेक्ष 03 कि०ग्रा० चीनी प्रति कार्ड रु0-18/- प्रति कि०ग्रा० की दर से रु0-54/- में वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्र गृहस्थी योजना के लाभार्थियों को प्रति यूनिट 02 कि०ग्रा० गेहूँ व 03 कि०ग्रा० फोर्टिफाइड चावल (कुल 05 कि०ग्रा०) का वितरण कराया जायेगा। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुबिधा उपलब्ध रहेगी, खाद्यान्न का निर्बाध रूप से वितरण का कार्य प्रातः 08.00 बजे से 12.00 बजे तक एवं दोपहर 02.00 बजे से सांय 06.00 बजे तक सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त योजनान्तर्गत वितरण की अन्तिम तिथि 25 सितम्बर 2025 होगी

शाहाबाद मे पर्यटन विकास कार्य पर जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक

बारां राजस्थान

बारां, 9 सितंबर। जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय स्थित उनके कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में पर्यटन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सहायक निदेशक पर्यटन ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालना पर चर्चा हुई। शाहाबाद किले से संबंधित बिंदुओं की अनुपालना उप वन संरक्षक द्वारा प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जिला कलक्टर ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए चार्जशीट जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में मुण्डियर-राजपुर रोड से शाहाबाद किले तक तीन किलोमीटर ग्रेवल रोड की मरम्मत, वन विभाग द्वारा नेचर गाइड मानदेय दरें तय कर दर सूची प्रदर्शित करने, शाहाबाद किले परिसर में साइनज बोर्ड लगाने एवं टोल प्लाजा मोड़ पर एक अतिरिक्त बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रभार अनिल कुमार चौधरी, डीएफओ अनिल यादव, नगर परिषद आयुक्त मोती शंकर, अधीक्षण अभियंता राजवीर सिंह, राज्य पुरातत्व विभाग वृत अधीक्षक हेमेंद्र कुमार अवस्थी, सहायक निदेशक सिराज कुरैशी, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक जगदीप कंबोज गोल्डी ने ग्रामीणों को 5.63 लाख रुपये की किश्त भेंट की

जलालाबाद विधायक श्री जगदीप कंबोज गोल्डी ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र के गाँव अटू वाला के लोगों को 5 लाख 63 हजार रुपये की किश्त भेंट की। यह गाँव सतलुज नदी के पानी की चपेट में था और पिछले दिनों गाँव के लोगों ने विधायक से किश्त की माँग की थी, जिस पर उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए यह किश्त खरीदकर आज गाँव को प्रदान की। किश्त को पानी में उतारने से पहले प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर विधायक श्री जगदीप कंबोज गोल्डी ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा के दौरान पूरी पंजाब सरकार अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बहादुर लोग इस आपदा का पूरी हिम्मत से सामना कर रहे हैं और सरकार भी उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के पानी के कारण लोगों की हरे चारे की फसलें जलमग्न हो गई हैं, इसलिए प्रभावित गांवों में लोगों को उनके पशुओं के लिए पशु चारा उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं, जरूरतमंद लोगों को राशन भी वितरित किया जा रहा है। मांग के अनुसार किश्तों का प्रबंध किया जा रहा है। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बाढ़ पीड़ितों के लिए पहले ही दो बड़े फैसले ले चुकी है, जिसके तहत नदी में बहकर आई मिट्टी अब खेत मालिक की होगी और सरकार अब फसलों के नुकसान के लिए 15 रुपये प्रति एकड़ की बजाय 20 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देगी। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम जलालाबाद कंवरजीत सिंह मान भी मौजूद थे। यह किश्त तुरंत प्रभाव से गांव के लोगों की सेवा में लगा दी गई है और गांव को नईविधायक जगदीप कंबोज गोल्डी ने कहा कि ग्रामीणों को किश्तें मिलने से वे बहुत खुश हैं।

जलालाबाद विधायक ने अरनीवाला में 14.15 करोड़ रुपये की लागत से पानी की पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया

अरनीवाला/फाजिल्का 9 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान के कुशल नेतृत्व और स्थानीय निकाय विभाग एवं संस्थागत मामलों के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह के संरक्षण में, जलालाबाद विधायक श्री जगदीप कंबोज गोल्डी ने नगर पंचायत अरनीवाला शेख सुभान में जलापूर्ति पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया!

इस अवसर पर जलालाबाद विधायक जगदीप कंबोज गोल्डी ने कहा कि यह कार्य 14.15 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना है। इस परियोजना के तहत 35 किलोमीटर उच्च-7 जल पाइप लाइन बिछाई जानी है, 2151 घरेलू जल कनेक्शन और 1.5 लाख गैलन क्षमता वाली 1 पेयजल टंकी का निर्माण किया जाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत टेलर मार्केट, टिब्बा एरिया, झोटियांवाली रोड, बाम रोड, श्री मुक्तसर साहिब रोड, डबवाली रोड, डबवाली फिरनी, मलोट फाजिल्का रोड आदि विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह कार्य 15 महीनों के भीतर किया जाना है। जिससे सभी शहर वासियों को स्वच्छ पेयजल मिलेगा। विधायक जलालाबाद ने बताया कि इससे पहले भी अरनीवाला में 13 करोड़ की लागत से सीवरेज प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया था, जो अभी भी जारी है। इसके अलावा 3.5 करोड़ की लागत से रनिंग वाटर वर्क्स का काम पूरा हो चुका है! उन्होंने बताया कि अरनीवाला तालाब वाली जगह पर भी जल्द ही एक नया प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अरनीवाला के विकास कार्यों के लिए जल्द ही 2.5 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्ट भी लाए जा रहे हैं!

राज्य में रेलवे सुविधाओं का हो रहा निरंतर विस्तार

अधिकारी केन्द्र के साथ निरंतर समन्वय कर रेलवे परियोजनाओं को करें समय से पूरा

जयपुर, 09 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश में मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी। साथ ही, स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

श्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और केन्द्रीय भण्डारण निगम द्वारा भरतपुर मे प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भरतपुर में प्रस्तावित रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, औद्योगिक ईकाइयों सहित सभी वर्गों को परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए संयुक्त निरीक्षण करें।

परियोजना की प्रगति की करें नियमित मॉनिटरिंग-

श्री शर्मा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना की वस्तुस्थिति को जाना। उन्होंने अधिकारियों को इस रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य को आपसी समन्वय से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए वित्तीय संसाधनों एवं तकनीकी आवश्यकताओं को केन्द्र के साथ समन्वय करते हुए प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

साथ ही, परियोजना की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित राज्य सरकार तथा रेलवे के संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीसी के माध्यम से संबंधित जिलों के कलक्टर्स भी जुडे।

जमीन हड़पने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

देश का दर्पण. दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना भरतपुर.. थाना अटलबन्द पुलिस ने जमीन हड़पने के मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तिलकनगर कॉलोनी निवासी विश्वमोहनी उर्फ सविता पत्नी भूपेन्द्र कुमार ने रिपोर्ट दी थी कि उसके पिता नवला उर्फ नवलसिंह व मछला के अशिक्षित, वृद्ध और बीमार होने का फायदा उठाकर उसके जीजा हरीशचन्द ने साजिशन फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन अपने नाम करा ली। इस संबंध में थाना अटलबन्द में मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने नामजद आरोपी हरीशचन्द पुत्र तारासिंह (40) निवासी बांसरौली, थाना कुम्हेर, जिला डीग हाल शांति कॉलोनी थाना नदबई को गिरफ्तार कर लिया है।

आरएफबीडीपी के अंतर्गत कृषिवानिकी और आजीविका संवर्द्धन पर 90 किसानों को प्रशिक्षण

जयपुर 09 सितम्बर। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (आरएफबीडीपी) के अंतर्गत पिपलेश्वर ग्रीन फेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, तुंगा, बस्सी, जयपुर में कृषिवानिकी (एग्रोफारेस्ट्री) एवं आजीविका संवर्द्धन पर मंगलवार को एक क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र से जुड़े लगभग 90 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर केतन कुमार, डीएफओ, जयपुर डिवीजनल मैनेजमेंट यूनिट (डीएमयू) ने कहा कि आर.एफ.बी.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य वनों का संरक्षण करते हुए कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों को आजीविका संवर्द्धन के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कृषिवानिकी न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगी बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता भी विकसित करेगी। साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण एवं वनीकरण (एफ्फोरेस्ट्रेशन) को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे पर्यावरणीय संतुलन कायम रखने में मदद मिलेगी।ह्व

प्रशिक्षण के दौरान हेमन्त कुमार दीक्षित, आजीविका विशेषज्ञ, पीएमसी, आरएफबीडीपी ने परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी और समझाया कि कृषिवानिकी अपनाकर किसान अतिरिक्त आय का स्रोत कैसे विकसित कर सकते हैं। ओम प्रकाश गुप्ता, कृषि अधिकारी ने पौधारोपण तकनीक, रखरखाव एवं पौधों की वृद्धि संबंधी पहलुओं पर विस्तार से बताया। नमो नारायण मीणा, रेंजर, बस्सी रेंज ने आरएफबीडीपी की विभिन्न गतिविधियों और कृषिवानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।

साथ ही, कमलेश सैनी, सीईओ एवं कैलाश चंद शर्मा, अध्यक्ष, एफपीओ ने किसानों को एफपीओ की भूमिका के बारे में बताया कि कैसे एफपीओ किसानों के लिए सामूहिक कार्यवाही, विपणन, प्रसंस्करण एवं जैविक खेती के उपयोग में सहायक है।

खानपुर में चोरी, लूट और डकैती के लंबित मामलों के खुलासे के लिए विशेष टीम गठित - गृह मंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। गृह मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र खानपुर में विभिन्न थानों में दर्ज चोरी, नकबजनी, लूट व डकैती के 13 प्रकरणों के खुलासे के लिए अगस्त माह में विशेष टीम का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गठित इस टीम में उप पुलिस अधीक्षक, संबंधित थानाधिकारी व इंटेलीजेंस के अधिकारी शामिल हैं।

श्री बेढ़म प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र खानपुर में दर्ज चोरी, नकबजनी, लूट व डकैती के 126 प्रकरणों में पुलिस द्वारा हर संभव जांच- पड़ताल के बाद भी मामले का खुलासा नहीं होने के बाद ही जांच बंद कर एफआर लगाई गई। गृह मंत्री ने जानकारी दी कि कई बार चोरी होने के बाद पुलिस के दबाव में अपराधी माल को छोड़कर भाग जाता है। इसके बाद उस माल को पुलिस द्वारा बरामद कर कीमत अंकित की जाती है।

इससे पहले विधायक श्री सुरेश गुर्जर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र खानपुर में पिछले एक वर्ष में चोरी, लूट, नकबजनी व डकैती के कुल 112 मुकदमें दर्ज हुए। उक्त दर्ज प्रकरणों में 29 प्रकरणों में 51 मुल्जिमों की गिरफ्तारी हुई तथा 35 प्रकरणों में माल की बरामदगी की गई। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों में चोरी, लूट, नकबजनी व डकैती के 126 प्रकरणों का खुलासा लम्बे समय तक नही होने कारण जांच बंद कर दी गई है।

शहर चलो अभियान के संचालन के लिए प्रभावी कार्ययोजना करें तैयार- प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग

जयपुर, 9 सितंबर । मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में आमजन को सुगम जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शहर चलो अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में प्रमुख शासन सचिव श्री देबाशीष पृष्टि और शासन सचिव श्री रवि जैन द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई । नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री देबाशीष पृष्टि ने सभी नगरीय विकास न्यास के सचिव को निर्देशित करते हुए कहा की शहर चलो अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करना सुनिश्चित करें, कैम्प से पूर्व रोड, सीवरेज प्रणाली, लो लेइंग एरिया आदि का सघन निरीक्षण कर जलभराव वाली जगहों पर मड पम्प के सहारे जलनिकासी की जाए, साथ ही कैम्प के अंतर्गत किए जाने वाले मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की तैयारी तत्काल शुरू की जाए । उन्होंने कहा की समयबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए, ताकि शहरी निकायों और गाँवों में बुनियादी सुविधाओं का सदृढ़ीकरण हो और सेवाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिल सके ।

अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा यह अभियान-

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव श्री रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार शहर चलो अभियान के माध्यम से अधिकाधिक लोग को लाभान्वित करना हमारा लक्ष्य है, इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए साथ ही अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर वहाँ की समस्याओं के बारे में जानकारी ली जाए। श्री जैन ने कैम्प स्थल पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के सख़्त निर्देश दिए उन्होंने कहा की कैम्प स्थल के आसपास डस्टबिन अनिवार्य रूप से लगाए ताकि वहाँ कचरा न फैले । इसी के साथ ही उन्होंने कैम्प स्थल के पास वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए ।

राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025 हुआ पारित

जयपुर, 9 सितंबर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 ध्वनिमत से पारित किया गया। विधेयक पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि यह विधेयक प्रदेश में समरसता को बनाए रखने और सुरक्षित भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की सनातन संस्कृति हमेशा से उद्गार रही है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है, लेकिन इसमें धोखे, प्रलोभन, भय और छल कपट से धर्म परिवर्तन करवाने का कहीं भी समर्थन नहीं किया गया है।

विधेयक के अनुसार छल कपट से धर्म परिवर्तन करने पर 7 से 14 वर्ष तक के कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 5 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। अल्प वयस्क, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन आदि को कपटपूर्ण तरीके से धर्म परिवर्तन करवाने पर न्यूनतम 10 से लेकर 20 वर्ष तक के कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 10 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। कपटपूर्ण तरीकों से सामूहिक धर्म परिवर्तन करवाने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 20 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, उन पर न्यूनतम 25 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जा सकेगा।

धर्म परिवर्तन के लिए विदेशी एवं अवैध संस्थाओं से धन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 10 से 20 वर्ष तक के कठोर कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 20 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किसी व्यक्ति को जीवन, संपत्ति के लिए धमकाने वाले, झांसा देकर विवाह करने, बेचकर दुव्यार्पार करने या इस निमित्त दुष्प्रेरित करने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 20 वर्ष लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 30 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। जबरन धर्म परिर्वतन के लिए पूर्व में दोषी सिद्ध हो चुके व्यक्ति की इसी अपराध के लिए पुनः दोष सिद्धि होने पर न्यूनतम 20 वर्ष लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 50 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा।

विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, जिन संपत्तियों का उपयोग जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किया गया है उनकी जब्ती की जा सकेगी।

विधेयक के अनुसार विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करवाने के उद्देश्य से किया गया विवाह फैमिली कोर्ट या इस विधेयक में निर्धारित अन्य सक्षम न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा सकेगा। नए विधेयक के अंतर्गत धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा अधिकृत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष स्वेच्छा से एवं बिना किसी दवाब के धर्म परिवर्तन करने की जानकारी 90 दिन पहले देनी होगी। ऐसा नहीं करने की स्थिति में न्यूनतम 7 से 10 वर्ष तक की कारावास की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 3 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। धर्म परिवर्तन करवाने वाले धमार्चार्य को जिला मजिस्ट्रेट अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष धर्म परिवर्तन का नोटिस 2 माह पहले देना होगा। उल्लंघन की स्थिति में न्यूनतम 10 से 14 वर्ष तक की सजा हो सकेगी तथा न्यूनतम 5 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा।

छबड़ा में सड़कों की मरम्मत के लिए 187 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी

जयपुर, 9 सितंबर। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र छबड़ा में निरीक्षण के दौरान 59 सड़कें व 35 पुलियाएं क्षतिग्रस्त पायी गई। इनमें से 14 सड़कों के लिए 187 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि शेष 45 सड़कों व 35 पुलियाओं की मरम्मत के लिए 69.45 करोड़ रुपए की राशि अनुमानित है, जिसकी स्वीकृति प्राथमिकता के आधार पर दी जा सकेगी।

श्रीमती कुमारी प्रश्नकाल के दौरान विधायक श्री प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा इस संबंध में पूछे गए मूल प्रश्न का जवाब दे रही थीं।

मां वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निजी केन्द्रों पर भी नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा - उपमुख्यमंत्री

जयपुर, 9 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में संचालित मां वाउचर योजना के तहत दूसरी एवं तीसरी तिमाही की गर्भवती माताओं को राजकीय सोनोग्राफी जाँच उपलब्ध नहीं होने पर वाउचर जारी किया जाता है। इस क्यूआर कोड जनित वाउचर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा दी जाती है। योजना के तहत प्रदेश के 1 हजार 363 निजी सोनोग्राफी केन्द्रों को अधिकृत किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन निजी केंद्रों को सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा में विस्तार के उद्देश्य से बजट घोषणा 2024 के तहत 17 सितम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में मां वाउचर योजना का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दूसरी व तीसरी तिमाही में नि:शुल्क सोनोग्राफी के लिए वाउचर दिये किये जाते हैं, जिनकी वैद्यता जारी दिनांक के 30 दिवस तक रहती है। किसी कारणवश इस अवधि में वाउचर का उपयोग नहीं कर पाने की स्थिति में महिला द्वारा चिकित्सा संस्थान जाकर वैद्यता अवधि को आगामी 30 दिन तक बढ़वाया जा सकता है।

डॉ. प्रेमचंद बैरवा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में आगामी समय में सोनोग्राफी एवं एमआरआई मशीनों की जरुरत होने पर विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

इससे पहले विधायक श्रीमती शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत पाली में मां वाउचर योजना के तहत 17 सितम्बर, 2024 से 04 सितम्बर, 2025 तक 5 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर 583 सोनोग्राफी की गई है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, सोजत में नि:शुल्क जांच योजना के तहत 1 हजार 804 गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी की गई।

उन्होंने जानकारी दी कि मां वाउचर योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करवाने का प्रावधान नहीं है। विधानसभा क्षेत्र सोजत में संचालित चिकित्सालयों में केवल जिला चिकित्सालय सोजत में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है व क्रियाशील है, सीटी स्कैन मशीन पीपीपी मोड पर संचालित है एवं एमआरआई मशीन का प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि अन्य? राजकीय संस्थानों जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इन मशीनों का प्रावधान नहीं है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग 1 से 7 अक्टूबर तक प्रदेश भर में मनाएगा 'समाज कल्याण सप्ताह'- जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां

जयपुर, 9 सितंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हर वर्ष की तरह आगामी 1 से 7 अक्टूबर तक प्रदेश भर में समाज कल्याण सप्ताह मनाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निदेर्शानुसार समाज कल्याण सप्ताह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन, महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों के विरूद्ध जनचेतना जाग्रत करना है।

श्री गहलोत ने बताया कि सप्ताह के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को दिवसों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर-अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, 2 अक्टूबर-अनुसूचित जातियों का कल्याण दिवस, 3 अक्टूबर-अपराधी सुधार दिवस, 4 अक्टूबर-बाल दिवस, 5 अक्टूबर-महिला एवं बालिका कल्याण दिवस, 6 अक्टूबर- जन चेतना दिवस और 7 अक्टूबर- विशेष योग्यजन कल्याण दिवस आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा जिला कलक्टर द्वारा प्रस्तावित एवं निर्देशित कराई गई अन्य गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र लिख स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के सहयोग से विभिन्न योजनाओं को अधिक प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिए हैं।

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान- प्रमुख शासन सचिव,

जयपुर, 9 सितम्बर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक संचालित किए जाने वाले सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत पूरे मनोयोग से प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य हासिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत युवाओं और महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं, जिससे अभियान का उद्देश्य साकार हो सके।

श्रीमती राजपाल मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष से वीसी के माध्यम से अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारिता का दायरा बढ़ाने की दृष्टि से यह अभियान एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। अभियान के अंतर्गत राज्य की सभी लगभग 8,600 पैक्स के स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें पांच प्रकार की गतिविधियां मुख्य रूप से आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों में नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव व सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना, प्रस्तावित नये सहकारिता कानून के प्रावधानों की जानकारी देना, पैक्स/डेयरी सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाना, पीएम किसान योजना के अंतर्गत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराकर इनका निस्तारण करना तथा नवीन गोदामों के लिए आवश्यकता के अनुरूप जमीन चिह्नीकरण किया जाना शामिल है।

गांव चलो अभियान 19 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक होगा आयोजित, ग्राम स्वराज एवं समग्र ग्रामीण विकास की दिशा में एक सशक्त पहल

जयपुर, 9 सितम्बर। पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य भर में गांव चलो अभियान का आयोजन 19 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक चलेगा और राज्य के सुदूर गांवों तक सरकार की योजनाओं, सेवाओं और जागरूकता गतिविधियों को पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शुक्रवार प्रत्येक पंचायत समिति के दो पंचायतों में गांव चलो अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर, स्वच्छ, जागरूक और सशक्त बनाना है। इसमें जनसहभागिता, सरकारी सेवाओं की सीधी पहुंच, और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक पहुँचाना प्रमुख रहेगा।

पंचायती राज मंत्री ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न सरकारी योजना हेतु आवेदन एवं स्वीकृतियां, स्वास्थ्य शिविर, लंबित यूडीआईडी कार्ड वितरण, पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, विधायक सांसद स्थानीय क्षेत्र कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (जैसे डांग मगरा मेवात इत्यादि) के तहत उपलब्ध राशि के माध्यम से स्कूल इत्यादि की मरम्मत हेतु स्वीकृतियां एवं कार्य, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों हेतु आवेदन, स्वीकृतियां एवं वितरण, दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत 10 हजार और गांव में बीपीएल परिवारों का सर्वे, बिजली तारों एवं खंभों इत्यादि में सुधार, बीज मिनी के वितरण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण सहित आय, जाति प्रमाण पत्र को बनाना एवं वितरित करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

श्री दिलावर ने बताया कि यह अभियान राज्य सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है। इससे न सिर्फ राजस्व प्रकरण जल्दी हल होंगे, बल्कि सरकारी योजना का लाभ भी गांव गांव तक आसानी से पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा अभियान की संपूर्ण क्रियान्विति एवं प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए गए हैं।

राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस समारोह 14 सितम्बर को-

जयपुर, 09 सितंबर। भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और हिन्दी उन्नयन के लिए दिया जाने वाला हिन्दी सेवा पुरस्कार इस वर्ष आठ विधाओं हिन्दी साहित्य (कथा); हिन्दी साहित्य (कथेतर); संविधान एवं विधि; विज्ञान, तकनीकी एवं अभियांत्रिकी; चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य (भारतीय चिकित्सा पद्धति सहित); कला, संस्कृति एवं पर्यटन; दर्शन, योग एवं अध्यात्म तथा जनसंचार, पत्रकारिता एवं सिनेमा में प्रदान किये जाएंगे।

स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने बताया कि यह पुरस्कार 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदान किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष डॉ. कृष्ण कुमार कुमावत को उनके उपन्यास लक्ष्य, डॉ. मूलचन्द बोहरा को उनके शैक्षिक निबन्ध संग्रह समझ गए ना, डॉ. अनुपम चतुवेर्दी एवं डॉ. दीप्ति चतुवेर्दी को संयुक्त रूप से उनकी पुस्तक भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, डॉ. पूर्णेन्दु घोष को वैज्ञानिक विचार द्वीपों के बीच सामाजिक काव्य पुलों का निर्माण, डॉ. हिमांशु भाटिया को सेरेब्रल पाल्सीः व्यथा, कथा एवं कानून, डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को उनके यात्रा वृतान्त ओकुहेपा, डॉ. मनोज कुमार गट्टानी को उनकी पुस्तक मन सनातन एवं श्री विजय प्रकाश शर्मा विप्लवी व डॉ. कुंजन आचार्य को संयुक्त रूप से लिखी उनकी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के लिए सम्मानित किया जाएगा।

शासन सचिव ने बताया कि प्रत्येक विधा में लेखक को पुरस्कार स्वरूप पचास हजार रुपए की नकद राशि दी जाएगी।

जानलेवा हमले के मामले में फरार चले रहे आरोपी गोविन्द को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त वाहन पिकअप को किया जप्त

देश का दर्पण न्यूज

श्रीमती राशि डोगरा बूडी आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुये बताया है कि दिनांक 05.08.25 को परिवादी श्री जगदीश निठारवाल निवासी सिनोदिया थाना फुलेरा जिला जयपुर ने पुलिस थाना रेनवाल पर रिपोर्ट दर्ज करवायी की दिनांक 05.08.2025 को मैं रामजीपुरा कला में अपनी मोटर साईकल नंबर फख 14 इइ 4241 पर बैठा था तब गोविन्द चौधरी वहां पर आया और पिकअप गाडी को मेरे उपर चढ़ा दी जिससे मैं और मेरी मोटरसाईकिल क्षतिग्रस्त हो गये। आदि रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये वारदात का खुलासा व अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री रजनीश पूनियाँ व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त जोबनेर श्रीमती प्रियंका वैष्णव के सुपरवीजन में तथा थानाधिकारी रेनवाल श्री देवेन्द्र चावला उप निरीक्षक के नेतृत्व में

पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए जानलेवा हमला करने के मामले में 01 माह से फरार चल रहे वांछित आरोपी गोविन्द चौधरी को दबिश देकर डिटेन कर बाद पूछताछ जुर्म प्रमाणित पाया जाने पर दिनांक 08.09.2025 को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिकअप गाडी नंबर RJ 14 GG 0731 को जप्त कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। दौराने अनुसंधान पाया गया है कि आरोपी गोविन्द चौधरी की दो बहनों की शादी परिवादी जगदीश निठारवाल व उसके चचेरे भाई के साथ 6-7 साल पहले हुई थी। शादी के 20 दिन पश्चात ही आरोपी का बड़ा जीजा का रोड एक्सीडेन्ट हो गया तथा वह साल भर कोमा में रहा तत्पश्चात आरोपी गोविन्द ने अपनी बडी बहन की शादी महेश कुमार निवासी सीतारामपुरा के साथ कर दी एवं परिवादी जगदीश की पत्नी भी अपने पीहर में रहने लग गई। इसी बात को लेकर रंजिशवश आरोपी ने जान से मारने की नीयत से परिवादी पर पिकअप वाहन से जानलेवा हमला किया था।

चाय बनाते समय चीनी पहले डालें या बाद में, जानिए सही तरीका

चाय के शौकीन तो ज्यादातर लोग होते हैं.हर कोई अपनी पसंद के मुताबिक चाय बनाता है.लेकिन ज्यादातर लोग इसे बनाते समय कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं,जिससे चाय का स्वाद खराब हो जाता है.इसलिए चाय बनाने का सही तरीका क्या है,आइए जानते हैं इसके बारे में

चाय पीना तो हमारे देश में लगभग हर किसी को ही पसंद है.कुछ लोगों के तो दिन की शुरुआत ही चाय की प्याली से होती है.कुछ लोग तो दिन में कम से कम4से6बार चाय पीते हैं.यहां तक की रात में सोने से पहले भी उन्हें चाय चाहिए होती है.यह एक ड्रिंक नहीं बल्कि इमोशन है.हर व्यक्ति अपने मुताबिक चाय बनाता है.कुछ लोग इसमें अदरक डालते हैं,तो वहीं कुछ लोग सिंपल चाय पीना पसंद करते हैं.कुछ लोग सीधा दूध में पत्ती डालकर उसे बनाते हैं.सभी का तरीका अलग-अलग होता है.

चाय को बनाने के तरीके पर इसका स्वाद निर्भर करता है.कुछ लोग कम पत्ति और दूध वाली,तो वहीं कई कम मीठा और कम दूध वाली चाय पीना पसंद करते हैं.लेकिन क्या आपको पता है चाय को बनाने की सही तरीका बहुत कम लोगों को पता है.इसे बनाने समय की गई कुछ गलतियों के कारण इसका स्वाद खराब हो जाता है.आइए जानते हैं चाय बनाने का सही तरीका.

क्या है चाय बनाने का सही तरीका?

चाय बनाने का सबसे पहला स्टेप तो सभी जानते हैं गैस पर पैन रख पानी डालकर उसे उबालना.पानी उबलने के बाद इसमें चाय पत्ती डाली जाती है.इसे2मिनट तक उबलने के लिए छोड़ दिया जाता है.अगर आपको अदरक और इलायची वाली चाय पीना पसंद है,तो आप इसी समय इन चीजों को डाल सकते हैं.इससे स्वाद और भी अच्छा हो जाएगा.

अब ज्यादातर लोग दूध डालने के बाद चीनी डालते हैं.लेकिन यह नहीं करना चाहिए.बल्कि चाय पत्ती उबालने के3से4मिनट बाद चीनी डालनी चाहिए.जब पत्ती का फ्लेवर पानी में आ जाए,इसके बाद चीनी डालें.अब चीनी घुल जाने के बाद में दूध डालें.इसे धीमी आंच पर5से10मिनट तक पकाएं.इससे धीरे-धीरे चाय का रंग गाढ़ा होगा और टेस्ट भी सही आएगा.

चाय बनाते समय न करें ये गलतियां

कुछ लोग पानी को बिना उबाले उसमें चाय पत्ती और चीनी डाल देते हैं.आप भले ही दूध वाली चाय बना रहे हैं या फिर ग्रीन टी.ऐसा करने से ठंडे पानी में पत्तियां ठीक से नहीं खुलती हैं.इससे चाय का टेस्ट बिगड़ जाता है.

इसके साथ ही कुछ लोग सोचते हैं की चाय पत्ती या फिर दूध डालने के बाद ज्यादा देर तक चाय उबालने से स्वाद अच्छा होगा.लेकिन ऐसा नहीं है,बल्कि इससे चाय कड़वी हो जाती है.इसके कारण गैस या एसिडिटी की समस्या भी हो सकती है.

कुछ लोग चाय को स्वादिष्ट बनाने के लिए बहुत ज्यादा पत्ती का डालते हैं.जिससे स्वाद खराब हो सकता है.इसके अलावा सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है.

सभी इंग्रीडिएंट्स को एक ही बार में सही मात्रा में न डालने की गलती में लोग कई बार करते हैं जैसे कि चाय बनाते समय पत्ती के साथ चीनी डालने लेकिन दूध डालने के बाद भी चीनी या पत्ती मिलाते हैं.इससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है।

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए। हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है। हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घ्रस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं।

संपादकीय

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की ?विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर

राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों- संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है।

यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

एचआईवी' मरीजों की सुविधा रोकना, अमानवीय?

खगोलशास्त्रियों एवं भौतिकविदों के अनुसार पृथ्वी का 'गुरूत्वाकर्षण बल' कुछ कम होता जा रहा है।

खगोलशास्त्रियों एवं भौतिकविदों के अनुसार पृथ्वी का गुरूत्वाकर्षण बल कुछ कम होता जा रहा है। इसे धरती का बूढ़ा होना माना गया है। बूढ़ी, कमजोर धरती ज्यादा कंपकंपा रही है, जो भूकंप के रूप में प्रकट होता है। गुरूत्वाकर्षण बल कम क्यों हो रहा है, यह अभी ज्यादा स्पष्ट नहीं है।

जुलाई में रूस के सुदूर पूर्वी कामचटका क्षेत्र में 8.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसे अभी तक का पांचवा बड़ा भूकंप बताया गया है। विश्व के लगभग 12 देशों में इसके झटके आये, परंतु रूस व जापान में सर्वाधिक 200 झटके महसूस किए गए। इस वर्ष के सात माह में 20 से ज्यादा देशों में अलग-अलग तीव्रता के भूकंप दर्ज किये गए हैं। पाकिस्तान में तीन बार, दिल्ली एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) एवं बैतूल (म.प्र.) में दो बार भूकंप हुआ।वैसे तो भूकंप एक प्राकृ तिक आपदा है, परंतु मनुष्य द्वारा विकास के नाम पर किये गए कारनामों से इसकी आवृत्ति बढ़ी है। वैज्ञानिक आधार पर अभी तक यह सिद्धान्त मान्य है कि पृथ्वी का भू-भाग बारह भारी पट्टी समान रचनाओं (टेक्टोनिट प्लेट्स) पर टिका है, जो एक तरल पदार्थ (लावा) पर तैरती रहती है। तैरते-तैरते इनके टकराने से ऊर्जा निकलती है, जिससे भूकंप होता है।

भूकंप के इस सर्वमान्य सिद्धान्त के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में किये गए अध्ययनों से भूकंप के कारणों के संबंध में कुछ नई अवधारणाएं/परिकल्पनाएं सामने आयी हैं। ये अवधारणाएं कोई सिद्धांत तो नहीं हैं, परंतु इन पर ध्यान देना जरूरी लगता है। इन अवधारणाओं में धरती का बुढ़ाना, दर्द-तरंगों का निर्माण, बड़े बांध, ग्लेशियर्स का पिघलना, परमाणु विस्फोट व बमबारी, भूजल, तेल का ज्यादा दोहन एवं उपग्रह संचार प्रणाली आदि प्रमुख हैं।

खगोलशास्त्रियों एवं भौतिकविदों के अनुसार पृथ्वी का गुरूत्वाकर्षण बल कुछ कम होता जा रहा है। इसे धरती का बूढ़ा होना माना गया है। बूढ़ी, कमजोर धरती ज्यादा कंपकंपा रही है, जो भूकंप के रूप में प्रकट होता है। गुरूत्वाकर्षण बल कम क्यों हो रहा है, यह अभी ज्यादा स्पष्ट नहीं है।एटियोलॉजी ऑफ अर्थक्वेक -ए न्यू एप्रोच नामक किताब (लेखक

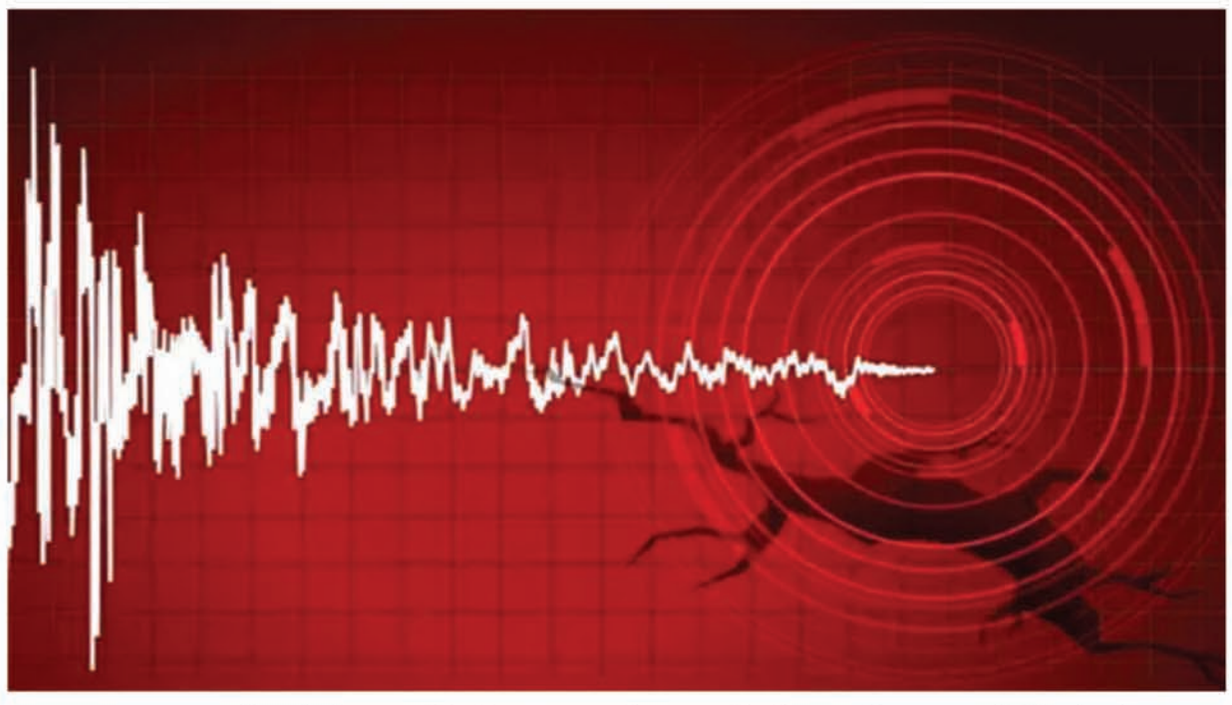

एमएम बजाज, एमएसएम इब्राहिम और विजयराज सिंह) में यह बताया गया है कि कत्ल के कगार पर खडे जानवरों द्वारा उत्पन्न शोर, तनाव व भय से एक प्रकार की दर्द-तरंगें पैदा होती हैं, जो भूकंप पैदा करने में सहायक हो सकती हैं। लेखकों ने कई सबूतों के आधार पर यह बताने का प्रयास किया है कि पशुओं के संहार के साथ भूकंप के कारण को जोड़ना संभव है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक एलबर्ट आईंस्टीन ने भी भू-विज्ञान के क्षेत्र में आईंस्टीयन पेन-वेव्ज (ईपीडब्ल्यू) की चर्चा की है, हालांकि ज्यादातर वैज्ञानिक इससे सहमत नहीं हैं।डेढ सौ मीटर से ऊंचे बड़े बांधों से भूकम्पनीयता बढ़ने के कई अध्ययन किये गए हैं। बांध क्षेत्र में बांध स्वयं की सीमेन्ट, कांक्रीट व लोहे की भारी-भरकम रचना तथा जलाशय, दोनों मिलकर उस क्षेत्र में बहुत अधिक भार बढ़ा देते हैं। बांध की रचना का भार तो वही रहता है, परंतु जलाशय में पानी का वजन घटता-बढ़ता रहता है। पानी भूमि में चट्टानों की दरारों से होकर काफी गहराई में पहुंचकर वहां कुछ हलचल पैदा करता है। अमेरिकी वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम 1935 में कोलोराडो नदी पर बने हूवर-बांध के बड़े जलाशय में भरे पानी के भार को बताया था। केरिबा (द.अफ्रीका), क्रेमास्ता (यूनान) तथा कोयना (भारत) में आये भूकम्प भी बांध-जनित बताये गये हैं।जापान के वैज्ञानिकों ने लम्बे समय तक भूकम्पों का अध्ययन कर यह बताया कि ग्लोबल-वार्मिंग के प्रभाव से ग्लेशियर्स की बर्फ पिघलने से भूकम्प आ सकते हैं। पृथ्वी पर सही संतुलन बनाये रखने हेतु ग्लेशियर्स जैसे बने थे, उनका उसी अवस्था में बने रहना जरूरी है। ग्लेशियर्स पर कम बर्फ की मात्रा पृथ्वी की प्लेटों पर पड़ रहे भार को बदलती है जिसको समायोजित करने हेतु भू-गर्भीय प्रक्रिया भूकम्प के रूप में प्रकट होती है। यह अध्ययन भूकम्प की समास्थिति अवधारणा से मेल खाता है। इसके अनुसार भूतल के पर्वत और समुद्र के धरातल एक-दूसरे को तराजू की तरह संतुलित रखते हैं। 8 अक्टूबर 2005 को पाकिस्तान तथा उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में आये भूकम्प का कारण ग्लेशियर्स पिघलने से जोड़ा गया था।कुछ भूकम्पों को परमाणु विस्फोट एवं बमबारी से भी जोड़कर देखा गया है। वर्ष 1976 में ताशकंद (रूस) में आये भूकम्प का सम्भावित कारण कुछ सप्ताह पहले किये गये दो परमाणु विस्फोट बताये गए थे। गुजरात में आये भूकम्प की वजह भी कच्छ के रण के उस पार पाकिस्तान द्वारा परमाणु विस्फोट बतायी गयी थी। लास-अल्मोस नेशनल लैब (अमेरिका) के भूकम्पविदों का दावा है कि कुछ भूकम्पों का कारण गुपचुप तरीके से किए गए परमाणु परीक्षण भी हो सकते हैं।

रूस की एक एजेंसी ने मार्च 2012 में उत्तरी अफगानिस्तान के दाहानी-जोया स्थान में 7.2 तीव्रता के भूकम्प का कारण अमेरिकी बमबारी बताया था।कुछ स्थानों पर जब भूजल एवं तेल का ज्यादा दोहन किया गया तो भूकम्पनीयता बढ़ने की सम्भावना बतायी गयी। भूजल व तेल के ज्यादा दोहन से धरती के अंदर निर्वात (वेक्युम) बन जाता है, जिसे भरने के लिए चट्टानों में हलचल होती है एवं कंपन पैदा होता है। राष्ट्रीय भू-भौतिकी अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद तथा राजस्थान के भूगर्भशास्त्री प्रो. एके सिन्हा ज्यादा भूजल दोहन को भूकम्प का कारण मानते हैं। राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केन्द्र ने दिल्ली एनसीआर में बढ़ती भूकम्पनीयता के जो कारण बताए हैं उनमें यमुना का सूखना, जलस्त्रोतों की समाप्ति तथा ज्यादा भूजल दोहन प्रमुख हैं।मई 1995 में रूस के शहर नेफ्तेगोर्क में आए भूकम्प का कारण तेल के ज्यादा दोहन को माना गया था। दुनिया में बढ़ती संचार सुविधा के लिए कई उपग्रह कार्यरत हैं। इन उपग्रहों से प्रसारण के लिए धरती पर पहुंचने वाली विद्युत-चुम्बकीय तरंगें भी भूकम्पनीयता बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। केलिफोर्निया में बढ़ते भूकम्पों का एक संभावित कारण संचार उपग्रहों का बढ़ना भी बताया गया है। यह तो निश्चित है कि भूकम्प का आना एक प्राकृतिक आपदा है, परंतु विकास के नाम पर किये गये कार्यों के प्रभाव से इनकी संख्या बढ़ने की सम्भावना को एकदम नकारा नहीं जा सकता।

आखिरी घंटे की बिकवाली से शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, ऊपरी स्तर से लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज दिन के कारोबार में अच्छी बढ़त हासिल करने के बाद आखिरी घंटे में हुई बिकवाली के कारण ऊपरी स्तर से नीचे फिसल गया। हालांकि, आखिरी वक्त में बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। पहले सत्र में बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार की चाल को तेज कर दिया। हालांकि, आखिरी वक्त में हुई बिकवाली ने खरीदारों की कोशिशों को बेकार कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, पीएसयू बैंक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होते रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, आईटी, एफएमसीजी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

बीएचईएल ने ईईपीसी इंडिया क्वालिटी पुरस्कार 2025 जीता

हरिद्वार। महारत्न संस्थान भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को पीएसयू श्रेणी में 'ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड्स 2025' के 5वें संस्करण में प्लेटिनम अवार्ड से आज सम्मानित किया

गया। भेल हरिद्वार इकाई के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख संजय पवार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) एस.एम. रामनाथन ने आज केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से प्राप्त किया।

एयर इंडिया शुरू करेगी दिल्ली-जैसलमेर उड़ान

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया इस साल अक्टूबर में दिल्ली और जैसलमेर के बीच उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक दोनों शहरों के बीच रोजाना दो सीधी उड़ानें होंगी। दिल्ली से पहली उड़ान सुबह 8:50 बजे और दूसरी दोपहर 2:20 बजे रवाना होगी। वापसी की उड़ानें सुबह 10:55 बजे और शाम 4:25 बजे उपलब्ध होंगी। कंपनी इस मार्ग पर एयरबस के ए320 विमानों का संचालन करेगी। उसने बताया कि मौसमी मांग को देखते हुये विंटर शिड्यूल में इस मार्ग पर उड़ान शुरू की जा रही है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह मौसमी सेवा सांस्कृतिक पर्यटन की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ देश की विरासत तक लोगों का पहुंचना आसान बनाने की एयर इंडिया की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि देश के दूसरे शहरों और यूरोप से आने वाले पर्यटकों को अब दिल्ली होकर जैसलमेर जाने के लिए आसान विकल्प मिलेगा।

आईटी कंपनियों में लिवाली से बढ़त में प्रमुख सूचकांक

मुंबई। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के ऊंचे आयात शुल्क लगाने के खिलाफ अदालतों के फैसलों से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में आईटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली रही और प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 342.39 अंक की तेजी के साथ 81,129.69 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह गत दिवस के मुकाबले 271.25 अंक (0.34 प्रतिशत) ऊपर 81.058.55 अंक पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 90.95 अंक चढ़कर 24,864.10 अंक पर खुला। यह खबर लिखे जाते समय 76.15 अंक यानी 0.31 फीसदी ऊपर 24,849.30 अंक पर था। अमेरिका की दो संघीय अदालतों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आपातकालीन प्रावधानों के तहत आयात शुल्क लगाने को अवैध करार दिया है। हालांकि राष्ट्रपति ने अदालतों के इस फैसले को पलटने के लिए कहा है।अमेरिका में आयात शुल्क हटने की उम्मीद में निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार खुलने के बाद आईटी कंपनियों में लिवाली की। सेंसेक्स में इंफोसिस के शेयर करीब चार प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहे थे। टेक महिंद्रा में दो प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही। टीसीएस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहे। इनके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

स्टॉक मार्केट में अमंता हेल्थकेयर की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । जेनरिक दवाएं और मेडिकल डिवाइसेज बनाने वाली कंपनी अमंता हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 126 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 134 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 135 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 138 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.25 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। अमंता हेल्थकेयर का 126 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 3 सितंबर

के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 82.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 209.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 54.96 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन का सेट अप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.63 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 10.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 2 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 276.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत और इजरायल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इजरायल ने आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के लिए एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते से दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा,

''भारत और इजरायल सरकार ने नई दिल्ली में आज एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं।'' इस समझौते पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत और इजरायल के बीच नया समझौता निवेशकों को सुरक्षा और निश्चितता प्रदान करेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को और बढ़ाएगा। यह समझौता 1996 में हुए पुराने निवेश करार की जगह लेगा, जिसे 2017 में भारत की नई निवेश संधि नीति के तहत समाप्त कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2000 से जून 2025 के दौरान भारत को इजरायल से 337.77 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं।

किआ मोटर ने भी वाहनों के दाम 4.48 लाख रुपये तक घटाये, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने अपने वाहनों के दाम में कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से अपने वाहनों की कीमतों में 48.50 हजार से लेकर 4.48 लाख रुपये से अधिक की कटौती की घोषणा की है। इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर और टीवीएस ने अपने वाहनों के दाम घटाये हैं। किआ इंडिया ने जारी एक बयान में कहा कि वह जीएसटी की दरों में की कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने जा रही है। उसके वाहनों की संशोधित कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर, 2025 से लागू हो जाएंगी। कंपनी ने बताया कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से वाहनों की कीमतों में 48.50 हजार से लेकर 4.48 लाख रुपये से अधिक की कटौती की गई है। किआ इंडिया ने कहा कि उसने कैरेंस मॉडल की

कीमत में 48,513 रुपये की कटौती की है, जबकि कार्निवाल मॉडल की कीमत में 4,48,542 रुपये की कटौती की गई है। इसके साथ वाहन निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने भी अपने वाहनों की कीमतों में 54,000 रुपये से लेकर 3.04 लाख रुपये तक की कटौती करने की घोषणा की। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि नई कीमतें सात सितंबर से ही प्रभावी हो गई है। इस बीच, दोपहिया वाहन क्षेत्र की टीवीएस मोटर कंपनी ने भी अपने सभी पेट्रोल वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती का लाभ 22 सितंबर से ग्राहकों तक पहुंचाने की घोषणा की है। हालांकि, कंपनी ने अलग-अलग मॉडल की कीमतों में की जाने वाली कटौती का पूरा ब्योरा साझा नहीं किया है।

ग्लास वॉल सिस्टम्स ने सेबी के समक्ष आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई स्थित ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस प्रस्ताव में 60 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटरों के 40.23 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। डीआरएचपी के अनुसार जवाहर हरिराम हेमराजानी, ईशान जवाहर हेमराजानी, अमित जवाहर हेमराजानी और विन्ने जवाहर हेमराजानी प्रमोटर बेचने वाले शेयरधारक हैं। शेयर बेचने वाले अन्य निवेशक इंडिया बिजनेस एक्सीलेंस फंड आईआईए और विस्तारा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड हैं। मुंबई स्थित ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड के इस

प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता आरक्षण भी शामिल है, कर्मचारी आरक्षण वाले हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। कंपनी इसके 60 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग 50 करोड़ रुपये की लागत से विले भागड़, महाराष्ट्र स्थित सुविधा में नियोजित बैकवर्ड इंटीग्रेशन के हिस्से के रूप में ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में प्रीमियम फेसेड समाधान और फेनेस्ट्रेशन प्रदाता कंपनी है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व के मामले में भारत में फेसेड समाधान प्रदान करने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है।

स्टॉक मार्केट में गोयल कंस्ट्रक्शन की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

जेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी गोएल कंस्ट्रक्शन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही बढ़िया मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 263 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.02 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 302.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इसकी चाल में और तेजी आ गई, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 317.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.76 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। गोएल कंस्ट्रक्शन का 100.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 4 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के

लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 124.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 124.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.80 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 88.61 गुना और एंप्लॉयीज का हिस्सा 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 81.12 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 7,23,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 14.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 22.64 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 38.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

निसान ने टॉप मॉडल की कीमत एक लाख रुपये तक घटाई, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी में कटौती का ऐलान होने के बाद निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अपने ग्राहकों को भी पूरा लाभ देने की घोषणा की है। कंपनी ने अपने सबसे पॉपुलर एसयूवी मैग्नाइट की कीमतों में 22 सितंबर से एक लाख रुपये तक की कटौती करने का एलान किया है। निसान मोटर इंडिया ने एक बयान में कहा कि ग्राहक देशभर में सभी अधिकृत निसान डीलरशिप पर नई कीमतों पर तुरंत बुकिंग शुरू कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि दरों में बदलाव के बाद नई निसान मैग्नाइट विसिया एमटी अब छह लाख रुपये से कम कीमत में उपलब्ध है। इससे भारत की सबसे सुरक्षित एवं किफायती बी-एसयूवी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। इसके साथ ही नई निसान मैग्नाइट एन-कनेक्ट सीवीटी और नई निसान मैग्नाइट क्रुरो स्पेशल एडिशन सीवीटी वैरिएंट्स की कीमत अब 10 लाख रुपये से कम होने का अनुमान है। निसान मोटर इंडिया ने कहा कि इससे आकर्षक कीमत पर एडवांस्ड फीचर्स एवं प्रीमियम की चाहत रखने वाले ग्राहकों को बेहतर मूल्य मिलेगा। कंपनी के इन वैरिएंट्स के अलावा टॉप एंड वैरिएंट्स, नई निसान मैग्नाइट सीवीटी टेक्ना और सीवीटी टेक्ना+ की कीमत में भी अब क्रमश: 97,300 रुपये और 1,00,400 रुपये की कमी आएगी। कंपनी के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती के साथ नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट भी 3,000 रुपये की अतिरिक्त बचत के साथ 71,999 रुपये की ज्यादा आकर्षक कीमत में मिल सकेगी। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती का सीधे ग्राहकों को लाभ होगा।

सर्राफा बाजार में शिखर से फिसला सोना, चांदी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी ने आज 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाकर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये से लेकर 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल

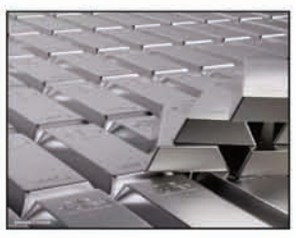

पर बिक रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है।

सेबी की बोर्ड बैठक 12 को, कई अहम प्रस्तावों को मिल सकती है मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के बोर्ड की इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन होने वाली बैठक में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। 12 सितंबर को होने वाली सेबी की इस बैठक में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने पर पूरा फोकस होगा। इसके साथ ही पहले से चर्चा में रहे कई प्रस्तावों को भी इस बैठक में स्वीकार किया जा सकता है। सेबी की बैठक में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईएनवीआईटी) को इक्विटी का दर्जा देने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठक में चर्चा की जा सकती है। बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और रियल स्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट के नियम को भी बोर्ड मंजूर कर सकता है। इसके साथ ही टर्नओवर के आधार पर रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन डिस्क्लोजर का नियम भी लाया जा सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के कामकाज का दायरा बढ़ाने के नियम को भी बोर्ड की बैठक में मंजूरी मिल सकती है। बताया जा रहा है कि बोर्ड की बैठक में स्टॉक ब्रोकर रेगुलेशन में बदलाव के प्रस्ताव को भी रखा जा सकता है। इसके साथ ही शुक्रवार होने वाली बैठक में रजिस्ट्रार एंड शेयर ट्रांसफर एजेंट रेगुलेशन की समीक्षा भी की जा सकती है। दावा किया जा रहा है कि बोर्ड की बैठक में बड़े आईपीओ में कम हिस्सेदारी बेचने पर छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। इसके अलावा आईपीओ में एंकर इन्वेस्टर्स की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार किया जा सकता है। ऐसा होने पर 250 से 500 करोड़ रुपये के इश्यू में एंकर इन्वेस्टर्स की संख्या बढ़ सकती है। कहा जा रहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स की हिस्सेदारी मौजूदा 33 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक हो सकती है। एंकर इन्वेस्टर्स में इंश्योरेंस और पेंशन फंड्स के लिए भी 7 प्रतिशत का कोटा तय किया जा सकता है।

एचसीएल टेक ने अमिताभ कांत को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत को अपना स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा

की। कंपनी ने आज शेयर बाजार को बताया कि श्री कांत की नियुक्ति को निदेशकमंडल की मंजूरी मिल गयी है, और नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति ने इसकी सिफारिश की है। उनकी नियुक्ति आज से प्रभावी हो गयी है और पांच वर्षों के लिए है। एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा ने कहा, ''हमें अमिताभ कांत के निदेशकमंडल में शामिल होने पर खुशी है।'' उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के निर्माण में श्री कांत का समृद्ध अनुभव कंपनी की विकास रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। श्री कांत नीति आयोग के सीईओ के अलावा जी20 में भारत के शेरपा भी रहे हैं।

जी-20 देशों में भारत की बेरोजगारी दर सबसे कम : मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार भारत की बेरोजगारी दर मात्र दो फीसदी रह गई है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है।

मांडविया ने यहां श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और 'मेंटर टुगेदर' एवं 'क्रिकर' के बीच राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर युवाओं की रोजगार क्षमता और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने विश्व आर्थिक मंच की 'रोजगारों के भविष्य की रिपोर्ट 2025' का हवाला देते हुए कहा कि भारत की बेरोजगारी दर 2 फीसदी है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है। मंत्री ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है और प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम- वीबीआरवाई) सहित कई योजनाओं ने इसमें योगदान दिया है।उन होंने मंत्रालय और डिजिटल मंच 'मेंटर टुगेदर' तथा ऑनलाइन साइट 'क्रिकर' के बीच समझौता के अवसर पर कहा कि इस एमओयू का मकसद राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर रोजगार के अवसरों के साथ ही युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाना है। मांडविया ने कहा कि इन

साझेदारियों की मदद से नौकरी चाहने वालों के लिए उचित मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है, उन्होंने इस दिशा में योगदान देने वाली सरकारी योजनाओं का भी जिक्र किया। मांडविया ने कहा, लगभग 52 लाख पंजीकृत नियोक्ताओं, 5.79 करोड़ नौकरी चाहने वालों और 7.22 करोड़ से अधिक रिक्तियों के साथ राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) प्लेटफॉर्म अब न केवल नौकरी लिस्टिंग प्रदान करने के लिए, बल्कि सभी रोजगार-संबंधी सेवाओं के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में विकसित हो रहा है। वर्तमान में पोर्टल पर 44 लाख से अधिक सक्रिय रिक्तियां हैं। पिछले एक साल में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने अमेजन और स्विगी सहित दस प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन कंपनियों के साझेदारियों से अब तक लगभग पांच लाख रिक्तियां उपलब्ध हो चुकी हैं।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री शिनावात्रा को सालभर रहना होगा जेल में, उच्चतम न्यायालय का आदेश

एजेंसी
बैंकॉक (थाईलैंड)। थाईलैंड के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को देश प्रभावशाली पूर्व प्रधानमंत्री और अरबपति थाकसिन शिनावात्रा को एक साल की जेल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने पिछले साल थाकसिन के लंबे समय तक अस्पताल में रहने को गैरकानूनी करार दिया और उन्हें बैंकॉक रिमांड जेल में अपनी सजा काटने का आदेश दिया।सीएनएन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय थाकसिन 2001 से 2006 तक सैन्य तख्तापलट के दौरान अपदस्थ होने तक प्रधानमंत्री रहे। 15 साल के स्व निर्वासन के बाद 2023 में उन्होंने नाटकीय ढंग से थाईलैंड वापसी की। सत्ता में रहने के दौरान हितों के टकराव, सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के लिए उन्हें आठ साल जेल की सजा सुनाई गई। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने थाकसिन की जेल की सजा घटाकर एक साल कर दी। इसके छह महीने बाद फरवरी 2024 में उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया। सजा के बावजूद थाकसिन ने कभी जेल की कोठरी में एक रात भी नहीं बिताई। सीने में जकड़न, उच्च रक्तचाप और ऑक्सीजन के निम्न स्तर की शिकायत के बाद उन्होंने बैंकॉक के पुलिस जनरल अस्पताल के एक आलीशान सुइट में अपनी सजा काटी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि थाकसिन का अस्पताल में बिताया गया समय सजा की अवधि में नहीं गिना जाएगा।

रूपर्ट मर्डोक परिवार में समझौता, लाचलन का रहेगा विशाल मीडिया साम्राज्य पर नियंत्रण

वाशिंगटन (अमेरिका)। रूपर्ट मर्डोक परिवार में उत्तराधिकार की लड़ाई थम गई है। परिवार के सदस्यों ने अदालत से हटकर समझौता कर लिया है। समझौते के अनुसार, परिवार के विशाल मीडिया साम्राज्य पर आने वाले दशकों तक रूपर्ट के रूढ़िवादी पुत्र लाचलन मर्डोक का नियंत्रण रहेगा। परिवार ने इसकी घोषणा की है। इस समझौते में स्पष्ट किया गया है कि फॉक्स न्यूज, द न्यूयॉर्क पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल सहित साम्राज्य के विभिन्न मीडिया संस्थान का संचालन पिता रूपर्ट की मृत्यु के बाद लाचलन ही करेंगे। समझौते की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, इसका मूल्य 3.3 अरब डॉलर है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता रूपर्ट और लाचलन को परिवार के अपरिवर्तनीय ट्रस्ट की शर्तों को एकतरफा रूप से बदलने के बाद हुआ है। लाचलन के सबसे बड़े भाई-बहनों पू, लिज और जेम्स ने समझौते पर सहमति जताई है। शुरुआत में यह प्रयास अदालत में विफल रहा, लेकिन अंततः दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाया गया। इस समझौते से 94 वर्षीय रूपर्ट को वह सब कुछ मिल गया है जिसकी उन्हें लंबे समय से तलाश थी। अपने चुने हुए उत्तराधिकारी लैकलन के नेतृत्व में वह खुश नजर आ रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, लैकलन के तीन भाई-बहनों को साम्राज्य में अपने सभी शेयरों के लिए 1.1 अरब डॉलर मिलेंगे।

हाउस ओवरसाइट कमेटी ने जेफरी एपस्टीन के अधिकांश दस्तावेज सार्वजनिक किए

वाशिंगटन (अमेरिका)। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एक समन के जवाब में जेफरी एपस्टीन से जुड़े अधिकांश दस्तावेज (रिकॉर्ड) को सार्वजनिक कर दिया है। इसमें जेफरी एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर 2003 में प्रकाशित एक किताब की संपादित प्रति भी शामिल है। इस रिकॉर्ड के जुड़े वकीलों ने समिति को बताया कि उन्होंने किताब में शामिल महिलाओं और नाबालिगों के नाम और तस्वीरें इसलिए संपादित कीं ताकि एपस्टीन के किसी भी संभावित पीड़ित की पहचान न हो सके। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन के जन्मदिन पर लिखी गई किताब के कुछ हिस्सों को संपादित करके प्रकाशित किया गया है। इसमें कई अश्लील प्रविष्टियां हैं। इनकी विषय वस्तु डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर वाली एक किताब जैसी प्रतीत होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक नोट अरबपति और विक्टोरिया सीक्रेट की लंबे समय से प्रमुख रहीं लेस्ली वेक्सनर का था। उस नोट की रिपोर्ट सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रकाशित की थी। इसमें एक भद्दा चित्र था। हस्ताक्षरकर्ता ने लिखा था, मैं तुम्हें वो दिलाना चाहता था जो तुम चाहती हो...। वेक्सनर ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाजा में फिलीस्तीनियों के 'जनसंहार जैसी हत्या' पर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने की इजराइल की निंदा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने सोमवार को इजराइल पर गाजा में फिलीस्तीनी नागरिकों के सामूहिक नरसंहार और जीवनरक्षक सहायता में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इजराइल को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के सामने जवाब देना होगा। मानवाधिकार परिषद (ह्यूमन राइट, काउंसिल) के 60वें सत्र को संबोधित करते हुए तुर्क ने चेतावनी दी कि इजराइली अधिकारियों की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे जनसंहारात्मक भाषा और फिलीस्तीनियों के अमानवीयकरण ने विश्व जनमत को झकझोर दिया है। तुर्क ने कहा, फिलीस्तीनी नागरिकों की सामूहिक हत्या, अवर्णनीय पीड़ा, ढांचागत तबाही, मानवीय सहायता में रुकावट, नागरिकों को भुखमरी की ओर धकेलना, पत्रकारों की हत्या और युद्ध अपराध पर युद्ध अपराध- ये सब अंतरात्मा को झकझोर देने वाले अपराध हैं।इजराइल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तुर्क तथ्यों की अनदेखी कर रहे हैं। जिनेवा में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन ने बयान जारी कर कहा कि हाई कमिश्नर, इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार और नागरिकों की सुरक्षा के प्रयासों को नजरअंदाज कर निराधार आरोप फैला रहे हैं।

नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने दिया इस्तीफा

एजेंसी
नेपाल। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. कथित भ्रष्टाचार को लेकर काठमांडू में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन के विरोध में जारी । नेपाल में मंगलवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और पीएम केपी शर्मा ओली के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने आगजनी और तोड़फोड़ की है।इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा, कल गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले रमेश लेखक और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर आगजनी भी की है। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया था।कृषि और पशुपालन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि हिंसा से देश की पीड़ा को देखते हुए वह अपने पद पर बने नहीं रह सकते थे। कृषि और

पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, हिंसा ने यह सवाल उठाया है कि क्या मौजूदा सरकार एक अधिनायकवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले, नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल की राजधानी काठमांडू और इसके बाहर हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। इस हिंसा में कम से कम 19 लोगों की जान गई। मंगलवार को भी काठमांडू के अलग-अलग हिस्सों से छिटपुट विरोध-प्रदर्शन की जानकारी सामने आई। इसके कारण स्थानीय प्रशासन ने लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाते हुए कर्फ्यू लगाया है। काठमांडू में गृह मंत्रालय के अधीन तीन जिला प्रशासन कार्यालयों (डीएओ) ने अलग-अलग नोटिस जारी करके कई स्थानों पर सुबह से कर्फ्यू लगा दिया, जिसमें शहर के प्रमुख एंट्री प्वाइंट शामिल हैं। काठमांडू डीएओ ने मंगलवार को राजधानी महानगरपालिका क्षेत्र में सुबह 8:30 बजे से अनिश्चितकाल तक के लिए कर्फ्यू लागू किया, जिसमें लोगों को आवाजाही, प्रदर्शन, सभाएं या धरने पर रोक है। कर्फ्यू के दौरान जरूरी सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, शव वाहन, स्वास्थ्यकर्मियों, पत्रकारों, पर्यटक वाहनों, हवाई यात्रियों और मानवाधिकार व राजनयिक मिशनों के वाहनों की आवाजाही की अनुमति होगी। इसी तरह, ललितपुर के जिला प्रशासनिक अधिकारी ने भी अलग-अलग संगठनों के प्रदर्शनों के बीच सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को प्रभावित करने वाली हिंसक गतिविधियों, दंगों या अशांति की संभावना का हवाला देते हुए जिले के विभिन्न स्थानों पर कर्फ्यू लगाया है।

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उत्तर कोरिया की छलांग, उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन का परीक्षण

एजेंसी
प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में छलांग लगाते हुए उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन मिसाइल इंजन का परीक्षण किया। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन परीक्षण के समय मौजूद रहे।

इस इंजन को देश के रक्षा अनुसंधान संस्थान ने विकसित किया है। इस इंजन का प्रयोग अगली पीढ़ी की मिसाइल ह्वासोंग-20 में किया जाएगा। द कोरिया टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया की सरकारी संवाद सेवा कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। किम ने तैयार किए जा रहे इंजन की प्रगति जानने के लिए हफ्ते भर पहले रक्षा अनुसंधान संस्थान (रासायनिक सामग्री अकादमी) का दौरा किया था। परीक्षण की सफलता के बाद किम ने कहा कि इंजन का विकास उत्तर कोरिया की परमाणु रणनीतिक शक्तियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। इसे रक्षा प्रौद्योगिकी के हालिया आधुनिकीकरण में सबसे रणनीतिक सफलता कहा जा सकता है। केसीएनए के अनुसार यह इंजन परीक्षण अपनी तरह का नौवां और विकास प्रक्रिया का आखिरी है। अधिकारियों ने इसका अधिकतम थ्रस्ट 1,971 किलोन्यूटन बताया है। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 31 अक्टूबर को ठोस ईंधन वाले ह्वासोंग-19 के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया था।

प्रदर्शन के कारण काठमांडू में फिर से कर्फ्यू

एजेंसी
काठमांडू । नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन के विरोध में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच सरकार पर संकट गहरा रहा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। कृषि और पशुपालन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि हिंसा से देश की पीड़ा को देखते हुए वह अपने पद पर बने नहीं रह सकते थे। कृषि और पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, ÷हिंसा ने यह सवाल उठाया है कि क्या मौजूदा सरकार एक अधिनायकवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले, नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल की राजधानी काठमांडू और इसके बाहर हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। इस हिंसा में कम से कम 19 लोगों की जान गई। मंगलवार को भी काठमांडू के अलग-अलग हिस्सों से छिटपुट विरोध-प्रदर्शन की जानकारी सामने आई। इसके कारण स्थानीय प्रशासन ने

लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाते हुए कर्फ्यू लगाया है। काठमांडू में गृह मंत्रालय के अधीन तीन जिला प्रशासन कार्यालयों (डीएओ) ने अलग-अलग नोटिस जारी करके कई स्थानों पर सुबह से कर्फ्यू लगा दिया, जिसमें शहर के प्रमुख एंट्री प्वाइंट शामिल हैं। काठमांडू डीएओ ने मंगलवार को राजधानी महानगरपालिका क्षेत्र में सुबह 8:30 बजे से अनिश्चितकाल तक के लिए कर्फ्यू लागू किया, जिसमें लोगों को आवाजाही, प्रदर्शन, सभाएं या धरने पर रोक है। कर्फ्यू के दौरान जरूरी सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, शव वाहन, स्वास्थ्यकर्मियों, पत्रकारों, पर्यटक वाहनों, हवाई यात्रियों और मानवाधिकार व राजनयिक मिशनों के वाहनों की आवाजाही की अनुमति होगी। इसी तरह, ललितपुर के जिला प्रशासनिक अधिकारी ने भी अलग-अलग संगठनों के प्रदर्शनों के बीच सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को प्रभावित करने वाली हिंसक गतिविधियों, दंगों या अशांति की संभावना का हवाला देते हुए जिले के विभिन्न स्थानों पर कर्फ्यू लगाया है।

मेक्सिको में मालगाड़ी और डबल डेकर बस में टक्कर, 10 लोगों की मौत, 41 घायल

एजेंसी
मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में एक मालगाड़ी और एक डबल डेकर बस के बीच हुई टक्कर कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस दो हिस्सों में बंट गई। यह दुर्घटना सुबह 7 बजे (ब्रिटिश समयानुसार दोपहर 2 बजे) से कुछ पहले राजधानी मेक्सिको सिटी से लगभग 80 मील (130 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में स्थित अटलाकोमुल्को शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग पर हुई। स्काई न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने एक्स पर कहा कि अधिकारी अभी भी दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। राज्य अभियोजक कार्यालय ने कहा कि उसने जांच शुरू कर दी है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि सात महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई और कुछ घायलों की हालत गंभीर है। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में यात्री बस की छत उखड़ी हुई दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्रॉसिंग के सीसीटीवी फुटेज जैसे दिखने वाले वीडियो में भारी ट्रैफिक के

बीच बस धीरे-धीरे रेल की पटरियों पर चलती हुई दिखाई दे रही है। तभी अचानक ट्रेन आ गई, जिसने बस को बीच से टक्कर मार दी और बस दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन की तेज गति से बस पलट गई। बस का अगला हिस्सा क्रॉसिंग के पास और पिछला हिस्सा पटरियों के दूसरी तरफ जाकर रुक गया। घटनास्थल से लगभग 100 गज दूर एक सर्विस स्टेशन पर काम करने वाले 33 वर्षीय मिगुएल सांचेज़ ने बताया कि उन्होंने क्रॉसिंग से पहले ट्रेन का हॉर्न बजते सुना। मेक्सिको की कैनेडियन पैसिफिक कैनसस सिटी ट्रेन लाइन ने दुर्घटना की पुष्टि की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कैलगरी स्थित इस कंपनी ने कहा कि उसके कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। कंपनी ने ड्राइवरों से रेलवे क्रॉसिंग पर संकेतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया। बस कंपनी हेराडुरा डी प्लाटा ने हादसे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सितंबर में प्रकाशित मेक्सिको की रेल परिवहन नियामक एजेंसी की नवीनतम रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल लेवल क्रॉसिंग पर 800 दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 2020 में यह संख्या 602 थी। पिछले महीने गुआनाजुआतो राज्य में एक ट्रेन के कई वाहनों से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई। 2019 में मध्य क्वेरेटारो राज्य में एक मालगाड़ी के पटरी पार कर रही एक यात्री बस को टक्कर मारने से नौ लोगों की मौत हो गई थी।

ईरानी विदेश मंत्री मिस्र में आईएईए प्रमुख से करेंगे मुलाकात, काहिरा ने की पुष्टि

एजेंसी
काहिरा। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि काहिरा में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के बीच एक बैठक होगी। दो महीने पहले तेहरान ने एजेंसी से दूरी बना ली थी। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बैठक मंगलवार को होगी, जिसकी एजेंसी ने घोषणा पहले ही कर दी थी, और इसका हिस्सा मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती भी बनेंगे।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने भी इसकी पुष्टि की है। बताया, ÷काहिरा की यात्रा के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक के साथ एक बैठक होगी जिसमें ईरान और एजेंसी के बीच बातचीत के लिए एक नए प्रोटोकॉल पर बातचीत पूरी की जाएगी। ईरान की आधिकारिक

समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया, ÷काहिरा की यात्रा के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक के साथ एक बैठक होगी जिसमें ईरान और एजेंसी के बीच बातचीत के लिए एक नए प्रोटोकॉल पर बातचीत पूरी की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माएल बाकेई ने कहा कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस सप्ताह ट्यूनीशिया और मिस्र की यात्रा करेंगे। बाकेई ने बताया कि ये यात्राएं ईरान की उस कोशिश का हिस्सा हैं जिसके तहत वो क्षेत्रीय और इस्लामी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। काहिरा में अपने प्रवास के दौरान, अराघची अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से मुलाकात करेंगे ताकि ईरान और एजेंसी के बीच सहयोग के नए ढांचे पर चर्चा को अंतिम रूप दिया जा सके। बाकेई ने नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री अब्बास अराघची की यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि काजा कल्लास के साथ हुई बैठक का जिक्र कर उसे बहुत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, ÷हम देशहित में अपनी मांगों को व्यक्त करने और तीन यूरोपीय देशों की ओर से स्नैपबैक मैकेनिज्म के दुरुपयोग से एजेंसी को अवगत कराना अपना दायित्व समझते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यूरोपीय देश टकराव के रुख के परिणामों को ठीक से समझकर अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाएगा।

पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में टीटीपी के आठ आतंकी मारे गए

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले की दत्ता खेल तहसील में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कुछ कमांडरों समेत आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि दो दर्जन से ज्यादा आतंकवादी अभी भी इलाके में छुपे हुए हैं और ग्रामीणों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका बेहद दुर्गम और अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान दत्ता खेल गोलियों और विस्फोटों की आवाजों से गूंजता रहा। स्थानीय लोग अपने घरों में दुबके रहे और उन्हें खाने-पीने और अन्य जरूरी चीज़ों की कमी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि 30-35 आतंकवादी अभी भी अलग-अलग जगहों पर छुपे हुए हैं। आतंकवादी हवाई या ड्रोन हमलों से बचने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। मारे गए सभी टीटीपी के आतंकवादी हाफिज गुल बहादुर बद्री ग्रुप और जैश-ए-मेहदी कारवां के थे। मुठभेड़ में विस्फोटक विशेषज्ञ हमीदुल्लाह उर्फ ??गुड, ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के जरिए विस्फोटक लगाने के लिए कुख्यात नूर मुहम्मद अफगान और 2009 से टीटीपी कमांडर उमर को मार गिराया गया है।

> *आतंकवादी हवाई या ड्रोन हमलों से बचने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।*

अमेरिका में हिरासत में लिए गए अपने 300 नागरिकों को दक्षिण कोरिया चार्टर्ड विमान से स्वदेश लाएगा, विदेशमंत्री वाशिंगटन में

एजेंसी
सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिका में दक्षिणी जॉर्जिया के हुंडई-एलजी एनर्जी सॉल्यूशन बैटरी प्लांट से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के छापे में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक एक चार्टर्ड विमान से स्वदेश लौटेंगे। यही नहीं, दक्षिण कोरिया अपने शीर्ष राजनयिक को भी अमेरिका भेज रहा है। इसका मकसद आव्रजन छापे को लेकर बढ़ते असंतोष को ऐसे संकट में बदलने से रोकना है, जो उसके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ संबंधों को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है। द कोरिया टाइम्स अखबार और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल के अधिकारियों ने बताया कि विदेश मंत्री चो ह्यून सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए। इससे कुछ घंटे पहले सरकार ने घोषणा की कि पिछले गुरुवार को अमेरिका में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक अमेरिका के साथ बातचीत के बाद एक चार्टर्ड उड़ान से कोरिया लौटेंगे। कोरियन एयर ने मंगलवार को पुष्टि की कि एयरलाइन का एक बोइंग 747 विमान (बी 747-8द्ब चार्टर्ड उड़ान) सियोल के पास इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जॉर्जिया के हार्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होगी। कोरियन एयर के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान बिना किसी यात्री के रवाना होगा और इसमें 368 लोगों के बैठने की क्षमता है। दक्षिण कोरिया के नागरिकों को बेड़ियों में जकड़कर हिरासत में ले जाने की तस्वीरें पूरे देश में व्यापक रूप से प्रसारित हुई हैं। इससे अमेरिका के प्रति देश में असंतोष पनप रहा है। इस प्रक्रिया में विदेशमंत्री की भूमिका क्या होगी, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार देश में इस बात को लेकर पनप रहे असंतोष को जल्द से जल्द नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। रूढ़िवादी विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी के प्रवक्ता सोंग इऑन-सियोग आमतौर पर अमेरिका के पक्ष में बोलते हैं मगर उन्होंने भी इस छापे को अभूतपूर्व कूटनीतिक आपदा कहा है । सियोग ने कहा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कूटनीतिक असंतोष को सबसे कड़े शब्दों में व्यक्त करना है। ली को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि यह कूटनीतिक विफलता कहां से शुरू हुई। दक्षिण कोरिया की प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता किम जे-योन ने इस छापेमारी को विश्वासघात बताया है। किम ने कहा कि ट्रंप को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का वादा करना चाहिए। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी आव्रजन छापे में हिरासत में लिए गए सैकड़ों कोरियाई कामगारों के लिए वह गहरी जिम्मेदारी महसूस करते हैं।

नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत और हिंसक घटना पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

एजेंसी
काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए इस घटना की त्वरित और पारदर्शी जांच करने का आग्रह किया है।

ओएचसीएचआर प्रवक्ता रवीना शमदासानी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रदर्शनों के दौरान मौतों की खबरों से वह स्तब्ध है। बयान में कहा गया है, हम नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत और हिंसक घटना की त्वरित और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार के प्रतिबंधों बाद युवाओं का यह विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने इस कदम को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला करार देते हुए इसकी निंदा की। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार, रिपोर्ट से पता चलता है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शन के दौरान अनावश्यक बल का उपयोग किया। शमदासानी ने कहा किबल प्रयोग, विशेष रूप से आग्नेयास्त्रों के प्रयोग में मौलिक अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हम अधिकारियों से शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का सम्मान करने और उन्हें सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। ओएचसीएचआर ने नेपाल सरकार को उसके अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों की भी याद दिलाई है और सुरक्षा कर्मियों द्वारा बल प्रयोग में जवाबदेही का आह्वान किया है।

काठमांडू में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू , ललितपुर में रात 12 तक प्रभावी

एजेंसी
काठमांडू। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने काठमांडू रिंग रोड क्षेत्र के भीतर अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। यह आज सुबह साढ़े आठ बजे से प्रभावी हो गया है। मुख्य जिला अधिकारी छबिलाल रिजाल ने स्थानीय प्रशासन अधिनियम, 2028 की धारा 6ए के तहत सुबह कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह उपाय आवश्यक है। कर्फ्यू के दौरान सभा, जुलूस, प्रदर्शन, बैठक या किसी भी प्रकार के घेराव पर प्रतिबंध रहेगा। ललितपुर जिला प्रशासन कार्यालय ने ललितपुर महानगर के चुनिंदा क्षेत्रों में आज सुबह 7 बजे से रात 12:00 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। मुख्य जिला अधिकारी सुमन घिमिरे द्वारा जारी आदेश को शांति और सुरक्षा बनाए रखने और किसी भी संभावित गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन ने यह आदेश लागू किया गया है। ललितपुर में मंत्री निवास, यूएमएल पार्टी हेडक्वार्टर, नेपाली कांग्रेस केंद्रीय कार्यालय सहित अन्य सरकारी भवनों के आसपास सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया है।

पाकिस्तानी आवाम कर रही त्राहिमाम, चीनी और रोटी की बढ़ी कीमतों से परेशान

एजेंसी
कराची। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बाढ़ की चपेट में है। देश में कई टेरर आउटफिट्स नाक में दम किए हुए हैं और कुर्सी की लड़ाई में हुक्मरान आवाम को नजरअंदाज भी बड़े कायदे से कर रहे हैं। देश अब रोटी को मोहताज हो रहा है। पाकिस्तानी मीडिया इसकी तस्दीक कर रही है।हाल ही में देश में चीनी की कीमतों में उछाल ने लोगों को परेशान किया और पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं को अब आटे और रोटी की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि गेहूं और आटे की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पाकिस्तानी दैनिक डॉन के मुताबिक कराची में, तंदूर संचालकों ने विभिन्न प्रकार की रोटियों की कीमतों में करीब 2 रुपये प्रति पीस की वृद्धि की है। अनुमान है कि इसका मुख्य रूप से निम्न और मध्यम आय वर्ग (विशेष रूप से दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिक वर्ग) पर असर पड़ेगा, जो आमतौर पर स्थानीय भोजनालयों में खाना खाते हैं।

यह रिपोर्ट बताती है कि ब्रांडेड आटे की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है। कुछ मिल मालिकों ने पांच किलोग्राम के मैदे के बैग की कीमत 700 रुपये तक कर दी है, जो 1 अगस्त को 500 रुपए और 1 सितंबर को 600 रुपए थी। वो भी तब जब इस साल की शुरुआत में नई गेहूं की फसल आ गई थी। कालाबाजारी चरम पर है। खुदरा विक्रेताओं की रिपोर्ट है कि बड़े व्यापारी पुराने आटे के स्टॉक की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कीमतों में वृद्धि से लाभ उठा रहे हैं। कुछ बाजार विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा गेहूं

संकट का पंजाब (पाकिस्तान) और अन्य क्षेत्रों में हाल ही में आई बाढ़ से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि नई गेहूं की फसल मार्च/अप्रैल में काटी गई थी। हालांकि, जमाखोरों, स्टॉकिस्टों और निवेशकों ने स्थिति का 'लाभ' उठाते हुए कीमतें बढ़ा दीं।

ऑल सिंध शीरमाल तंदूर रोटी एसोसिएशन के सदस्य सलमान मियां आराईन ने डॉन के हवाले से बताया कि तंदूर संचालक, जो पहले नान (वजन 180 ग्राम) 22 और 23 रुपये प्रति पीस बेचते थे, अब उनकी कीमत 25 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, चपाती की कीमत 2 रुपये बढ़कर 11-12 रुपये से बढ़कर 14-15 रुपये हो गई है।

वहीं चीनी का स्वाद भी बिगड़ गया है। इसकी कीमतें 180 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं और 16 किलोग्राम घी के टिन की कीमत हाल के महीनों में 6,500 रुपये से बढ़कर 7,900 रुपये हो गई है। पाक की इकोनॉमी हमेशा डगमग रही है। सियासतदां ऐशो आराम में डूबे रहते हैं, तो जनता खुद को समेटते हुए आगे बढ़ती है। इस देश की अर्थव्यवस्था बेलआउट पैकेज के सहारे वर्षों से चलती आ रही है। आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) (मई माह का डेटा) के मुताबिक, पाकिस्तान की जीडीपी 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी और अब इसका साइज करीब 373.08 बिलियन डॉलर है। राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई और खराब विदेशी कर्ज हालात जैसे फैक्टर पाकिस्तान की इकोनॉमी पर बड़ा धब्बा हैं।